राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 04 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-308 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

लश्कर का आतंकी जुनैद अहमद मारा गया

श्रीनगर । श्रीनगर में दाचीगाम के जंगलों से लगे हरवान इलाके में सुरक्षाबलों ने लश्कर के आतंकी जुनैद अहमद भट को मार गिराया है। वह आतंकवादी हमलों में नागरिकों की हत्या में शामिल था। 22 दिन में यह दूसरी मुठभेड़ है, जो सोमवार रात से चल रही है। हालांकि, अभी बाकी आतंकियों की तलाश जारी है। सेना ने आतंकियों को खोजने के लिए दाचीगाम जाने वाले सभी रास्तों को सील कर दिया है। इससे पहले हरवान जंगल में कुछ आतंकियों के छिपे होने की खबर पर सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन चलाया। जंगल में पहुंचे जवानों पर पहले आतंकियों ने गोली चलाई। थोड़ी ही देर में आतंकियों ने भारी गोलीबारी शुरू कर दी।

बदायूं जामा मस्जिद में नीलकंठ मंदिर का दावा

बदायूं। यूपी में संभल के बाद अब बदायूं की जामा मस्जिद चर्चा में है। हिंदू पक्ष ने दावा किया है कि जामा मस्जिद असल में नीलकंठ महादेव का मंदिर है। मंगलवार को जिला कोर्ट में हिंदू पक्ष ने सर्वे की मांग रखी तो मुस्लिम पक्ष ने जवाब दिया कि ये सिर्फ माहौल बिगाड़ने की कोशिश है। अगली सुनवाई 10 दिसंबर को होगी। उस दिन कोर्ट तय करेगा कि केस सुनने योग्य है या नहीं। मुस्लिम पक्ष के वकील अनवर आलम ने कोर्ट में कहा- यह मामला सुनने योग्य नहीं है। हिंदू महासभा को इसमें वाद दायर करने का कोई अधिकार नहीं। जब यह खुद कह रहे हैं कि मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई गई है, तो जाहिर सी बात है, वहां पर मंदिर का अस्तित्व नहीं है। इन्होंने वादी नीलकंठ महादेव को बनाया है। जबकि वादी प्रत्यक्ष व्यक्ति होता है।

ताजमहल को बम से उड़ाने की धमकी

आगरा । ताजमहल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से सनसनी फैल गई। ई-मेल प्राप्त होने के बाद ही सुरक्षा एजेंसी अलर्ट हो गईं। ताज की सुरक्षा व्यवस्था को और भी मजबूत कर दिया गया। इसके साथ ही यहां बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड भी पहुंच गया। इस जांच के दौरान पर्यटकों में किसी तरह की अफरा-तफरी न फैले इसका भी विशेष ध्यान रखा गया। ताजमहल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा ई-मेल आने के बाद ताज पर पुलिस अलर्ट हो गई है। बम निरोधक दस्ता सहित अन्य टीमें पहुंचकर जांच में लगी हुई हैं। डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि वहीं ताजमहल के आसपास सुरक्षा पहले से ही रहती है। उसे और पुख्ता किया गया है। चेकिंग की जा रही है। किसी तरह की संदिग्ध वस्तु तो नहीं रखी गई है।

आर्मी कैंप से लापता शख्स को ढूंढ रहे 2000 जवान

मणिपुर के लीमाखोंग से 9 दिन गायब हैं लैशराम

इंफाल। मणिपुर के लीमाखोंग कैंप से 25 नवंबर को लापता हुए 56 साल के लैशराम को सेना और पुलिस के 2000 जवान मिलकर खोज रहे हैं। मणिपुर पुलिस को किए फेसबुक पोस्ट में बताया कि लैशराम का पता लगाने के लिए मणिपुर पुलिस हेलीकॉप्टरों, ड्रोन और सेना के ट्रैकर कुत्तों की मदद ले रही है। इसके लिए टेक्नोलॉजी का सहारा भी लिया जा रहा है। लैशराम कमलबाबू के लापता होने पर सेकमाई पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। इसके बाद 30 नवंबर को सीएम बीरेन सिंह ने कहा था कि लापता शख्स सेना के अधिकारियों के लिए फर्नीचर बनाता था। वह सेना के कैंपस से गायब हुआ इसलिए सेना को ही उसे खोजने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इनर मणिपुर से कांग्रेस सांसद ए. बिमोल अकोईजाम ने भी मंगलवार को कहा कि आर्मी कैंप से एक व्यक्ति के लापता होने का मामले पर मैंने मीडिया के जरिए अपील की थी। जब भी मुझे मौका मिलेगा मैं इस मुद्दे को उठाऊंगा।

अनिल अंबानी की कंपनी के बैंक खाते जब्त होंगे

-26 करोड़ रुपए का बकाया वसूलने के लिए सेबी ने आदेश दिया

मुंबई।

कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी ने अनिल अंबानी के स्वामित्व वाली रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट के बैंक खातों के साथ-साथ शेयरों और म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स को जब्त करने का आदेश दिया है। 26 करोड़ रुपए का बकाया वसूलने के लिए सेबी ने ये आदेश दिया है। ये जुर्माना 3 महीने पहले अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े एक मामले में लगाया गया था। बीते दिनों सेबी को अपनी जांच में पता चला था कि रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के अधिकारियों की सहायता से अनिल अंबानी ने पैसों की हेराफेरी की थी। सेबी ने 14 नवंबर को रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (जिसे अब रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को नोटिस भेजा था और 15 दिनों के भीतर बकाया भुगतान करने को कहा था। जुर्माना नहीं भर पाने के बाद सेबी ने अब ये नया आदेश दिया है। सेबी के नोटिस के अनुसार, रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट के 26 करोड़ रुपए के बकाया में ब्याज और रिकवरी कॉस्ट शामिल है।

महिलाओं को समंदर के जहाजों और तटवर्ती संस्थानों में काम करने का मिला मौका

बदलती तकनीकी के चलते अगली पीढ़ी की लीडरशिप है एक बड़ा चैलेंज

नई दिल्ली।

इंडियन नेवी-डे 4 दिसंबर के उपलक्ष्य में नौसेना चीफ एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने नौसेना की तेजी से बदलती तकनीकी जरूरतों, महिलाओं के योगदान और आगामी पीढ़ी की लीडरशिप के बारे में कहा कि तेजी से बदलती तकनीकी और जियोपॉलिटिकल स्थिति के चलते अगली पीढ़ी की लीडरशिप के लिए यह एक बड़ा चैलेंज है। हम अपने जवानों को तैयार कर रहे हैं ताकि वे किसी भी स्थिति से निपट सकें। हम हमेशा तकनीकी में एक कदम आगे रहने की कोशिश करते हैं, ताकि दुश्मन के पास जो जानकारी हो, वह हमारे पास भी हो। नौसेना चीफ ने कहा कि महिलाओं के लिए भारतीय नौसेना में हर तरह के रोल खुले हैं, केवल सबमरीन में महिलाओं को शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में शुरू की गई अग्निपथ स्कीम में महिलाओं को समंदर के जहाजों और तटवर्ती संस्थानों में पूरी तरह से काम करने का मौका दिया है और इस प्रक्रिया में कोई भेदभाव नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि जब वे 10वीं क्लास में थे, तो मुंबई में समंदर देख कर उनका मन बदल गया और तब से उनका सपना भारतीय नौसेना में शामिल होने का था। एडमिरल त्रिपाठी ने मर्चेंट नेवी और इंडियन नेवी के अंतर को भी बताया। मर्चेंट नेवी का काम समुद्री व्यापार को सुरक्षित रूप से संचालन करना है, जबकि इंडियन नेवी का मुख्य काम समुद्री सुरक्षा प्रदान करना है। नौसेना चीफ ने बताया कि नेवी में करियर बनाने के कई रास्ते हैं। 12वीं के बाद एनडीए या नेवल अकैडमी से ऑफिसर बनने का मौका है या फिर किसी इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक करने के बाद एक परीक्षा पास कर नेवी में ऑफिसर बन सकते हैं। इसके अलावा, अग्निपथ स्कीम के तहत भी लोग सेलर के रूप में नेवी में शामिल हो सकते हैं। इस तरह, भारतीय नौसेना ने अपनी ताकत और विविधता को लगातार बढ़ाया है, जिसमें महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान भी शामिल है।

इसरो श्रीहरिकोटा से प्रोबा-3 मिशन आज करेगा लॉन्च

रॉकेट की ऊंचाई 145.99 फीट और वजन 320 टन होगा

नई दिल्ली।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 4 दिसंबर यानी बुधवार को यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ईएसए) के प्रोबा-3 मिशन को लॉन्च करेगा। इस मिशन को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर के लॉन्च पैड से पीएसएलवी-एक्सएल रॉकेट द्वारा लॉन्च किया जाएगा। लॉन्च का समय शाम 4:08 बजे है, पीएसएलवी-सी59 रॉकेट की यह उड़ान पीएसएलवी रॉकेट की 61वीं उड़ान होगी, और पीएसएलवी-एक्सएल की 26वीं उड़ान होगी। रॉकेट की ऊंचाई 145.99 फीट और वजन 320 टन होगा। लॉन्च के 26 मिनट बाद, यह रॉकेट प्रोबा-3 सैटेलाइट को 600 गुणा 60,530 किमी की अंडाकार कक्षा में भेजेगा। यह मिशन दुनिया का पहला प्रेसिशन फॉर्मेशन फ्लाइंग सैटेलाइट है, जिसमें दो सैटेलाइट्स शामिल होंगे। कोरोनाग्राफ स्पेसक्राफ्ट यह सैटेलाइट सूरज की तरफ मुंह करके खड़ा होगा और सूर्य के बाहरी और अंदरूनी कोरोना के बीच के गैप का अध्ययन करेगा। इसमें एएसपीआईआईसीएस और 3डीईईएस जैसे उपकरण होंगे। ऑक्लटर स्पेसक्राफ्ट यह सैटेलाइट कोरोनाग्राफ के पीछे रहेगा और सूर्य के कोरोना से संबंधित डेटा का अध्ययन करेगा। इसमें डीएडीए होगा। प्रोबा-3 मिशन का मुख्य उद्देश्य सूरज के कोरोना की स्टडी करना है, खासकर उसके हाई कोरोना और लो कोरोना के बीच के गैप की स्टडी करना।

महाराष्ट्र में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की जोरदार तैयारी

- केंद्रीय मंत्रियों समेत देशभर से 400 से ज्यादा साधु-संतों को निमंत्रण

मुंबई।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद सरकार गठन की गतिविधियां तेज हो गई हैं। नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह कल 5 दिसंबर को मुंबई के आजाद मैदान में शाम 5 बजे होगा और इस समारोह को भव्य बनाने की पूरी कोशिश की जा रही है। नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में 70 से ज्यादा वीवीआईपी नेता शामिल होंगे।

इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राजमार्ग एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी समेत कैबिनेट के कई मंत्रियों को आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों को भी निमंत्रण भेजा गया है।

- 400 साधु-संतों को निमंत्रण

दिलचस्प बात यह है कि इस शपथ ग्रहण समारोह के लिए देशभर के 400 से ज्यादा साधु-संतों को भी निमंत्रण भेजा गया है। साथ ही विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों को भी निमंत्रण भेजा गया है। शपथ ग्रहण समारोह के लिए आमंत्रित संतों में जगतगुरु नरेंद्राचार्य महाराज, गोविंददेव गिरी महाराज, बागेश्वर बाबा, महामंडलेश स्वामी विश्वेश्वरानंद महाराज, जैन संत लोकेश मुनि, बंजारा संत, सिख संत, बौद्ध भिक्खु शामिल हैं। इसके अलावा काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी और महाकाल मंदिर के मुख्य पुजारी समेत महाराष्ट्र के सभी प्रमुख मंदिरों के मुख्य पुजारियों को भी आमंत्रित किया गया है।

संसद में गूंजा संभल मुद्दा, अखिलेश बोले-ये लड़ाई संभल की नहीं, दिल्ली-लखनऊ की

सपा प्रमुख ने की डीएम-एसपी पर हत्या का मामला दर्ज करने की मांग

लखनऊ।

संभल में हिंसा के बाद शुरू हुई सियासी जंग अब संसद तक पहुंच गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को संसद में इस मामले को उठाया। उन्होंने कहा कि जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर संभल के मुस्लिमों ने तो धैर्य रखा, लेकिन अधिकारियों ने अपने प्राइवेट हथियारों से गोलियां चलाईं। सीओ ने लोगों से गालीगलौच की। लाठीचार्ज करवाया। अखिलेश ने संभल के डीएम और एसपी समेत प्रशासनिक अफसरों पर हत्या का मामला दर्ज किए जाने की मांग की। साथ ही कहा कि ये लड़ाई संभल की नहीं, बल्कि दिल्ली और लखनऊ की है।

अखिलेश ने संसद के शीतकालीन सत्र में अपनी बात रखते हुए कहा कि संभल जो भाईचारे के लिए जाना जाता था। वहां भाईचारा सदियों पुराना है। अचानक संभल में यह घटना सोची समझी साजिश के तहत कराई गई है। वहां के भाईचारे को गोली मारने का काम हुआ है। वहां खुदाई बीजेपी और उनके सहयोगी समर्थक बार-बार कर रहे हैं। यह देश के भाईचारा और सौहार्द को खो देगा।

उन्होंने आगे कहा कि यूपी चुनाव पहले 13 तारीख को होना था और इसे बढ़ाकर 20 तारीख कर दिया गया। संभल की जामा मस्जिद के खिलाफ 19 नवंबर 2024 को सिविल जज के सामने याचिका लगाई गई। कोर्ट ने दूसरे पक्ष को सुने बगैर सर्वे के आदेश दे दिए। हैरानी की बात है डीएम के आदेश पढ़े जाने के बगैर दो घंटे के अंदर ही पुलिस बल के साथ मस्जिद पहुंच गए। मस्जिद कमेटी और सभी ने उन्हें सहयोग दिया, लेकिन 22 नवंबर को जुमे की नमाज के लिए जब लोग नमाज पढ़ने वहां पहुंचे तो वहां बैरिकेड लगा दिए गए, लेकिन लोगों ने शांति से नमाज पढ़ी।

अखिलेश ने कहा कि अगली तारीख सुनवाई के लिए तय की। अगले दिन सर्वे करने के लिए दोबारा कहा गया। तो कमेटी की तरफ से कहा गया कि अगर फिर सर्वे कराना है दोबारा आदेश लेकर आएं और सर्वे करा देंगे, लेकिन जिला अधिकारी और एसपी ने कोई सुनवाई नहीं की और तानाशही करते हुए शाही मस्जिद आ गए।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को दिए निर्देश

सेक्सुअल हैरेसमेंट पर राज्य कंप्लेंट कमेटी बनाए

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वर्कप्लेस पर महिलाओं के प्रिवेंशन ऑफ सेक्शुअल हैरेसमेंट एक्ट 2013 के लिए इंटरनल कंप्लेंट कमेटी बनाने की निर्देश दिया है। जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच का ये निर्देश गोवा यूनिवर्सिटी के पूर्व विभागाध्यक्ष ऑरेलियानो फर्नांडीस की याचिका पर आया। उन्होंने पूछा कि सुप्रीम कोर्ट ने मई 2023 को केंद्र और राज्य सरकारों को ये वेरिफाई करने को कहा गया था कि क्या वर्कप्लेस पर सेक्शुअल हैरेसमेंट के आरोपों की जांच के लिए सभी मंत्रालयों और विभागों में पैनल गठित किए गए हैं या नहीं। इसके साथ ही फर्नांडीस ने उन पर लगे सेक्शुअल हैरेसमेंट के आरोपों पर बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा कि प्रिवेंशन ऑफ सेक्शुअल हैरेसमेंट एक्ट 2013 में आया था। इतने वक्त बाद भी इसे लागू करने में इतनी गंभीर खामियां मिलना चिंताजनक है। ऐसा होना बहुत ही ज्यादा दुखद है। क्योंकि इसका राज्यों की कार्यशैली, पब्लिक अथॉरिटी और पब्लिक संस्थानों पर खराब असर पड़ता है।

संसद में गूंजा अहमदाबाद का ख्याति अस्पताल कांड, शक्तिसिंह की सीबीआई जांच की मांग

अहमदाबाद .

शहर के एसजी हाईवे ख्याति अस्पताल कांड का मामला देश की संसद में कांग्रेस सांसद शक्तिसिंह गोहिल ने सीबीआई जांच की मांग की है. राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल ने सदन में मामला उठाते हुए कहा कि सिस्टम की मिलीभगत से अस्पताल प्रबंधकों ने सरकारी योजना के करोड़ों रुपये हड़प लिए हैं. उन्होंने ख्याति हॉस्पिटल घोटाले की सीबीआई जांच की मांग की है. शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि गांवों में कैंप लगाकर पीएमजेएवाई से करोड़ों रुपये वसूले गए हैं.

शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि अगर सरकार ने 2022 में कार्रवाई की होती तो ऐसा नहीं होता और अब इस कांड का मुख्य आरोपी विदेश भाग गया है. शक्ति सिंह ने कहा कि पूरे कांड में पुलिस और सिस्टम की मिलीभगत साफ है. शक्तिसिंह गोहिल ने ट्वीट किया कि ख्याति हॉस्पिटल कांड में मानव जीवन से खिलवाड़ कर करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार की सुनियोजित साजिश रची गयी थी. अहमदाबाद के मशहूर हॉस्पिटल के लोग गांव में जाकर गरीबों को फ्री मेडिकल कैंप के नाम पर अस्पताल में बुलाते थे. जहां हार्ट में ब्लॉकेज के डर से वे बेवजह गरीबों की एंजियोग्राफी और स्टेंट लगाते थे.

राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की लोकसभाध्यक्ष सहित केन्द्रीय मंत्रियों से भेंट

नई दिल्ली ।

राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग मंत्री मदन दिलावर ने नई दिल्ली में मंगलवार को लोकसभाध्यक्ष ओम बिड़ला सहित केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान श्री दिलावर ने लोकसभाध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्रियों को प्रदेश में शिक्षा से जुड़ी योजनाओं से अवगत करवाया।

-श्री दिलावर ने जल संसाधन पर गठित मंत्रियों की बैठक में की शिरकत

मदन दिलावर ने मंगलवार को जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जल संसाधन पर गठित 14 सदस्यीय कमेटी की पहली बैठक में भाग लिया।

बैठक में विभिन्न राज्यों के मंत्रियों ने भाग लिया। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी आर पाटिल की अध्यक्षता में नई दिल्ली के श्रम शक्ति भवन में आयोजित इस बैठक में श्री दिलावर ने प्रदेश की जल समस्याओं से संबंधित मुद्दो पर चर्चा की।

चंडीगढ़ में मोदी बोले- तारीख पर तारीख के दिन खत्म: आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई मजबूत होगी: भ्रष्टाचार में कार्रवाई की कानूनी अड़चन दूर होगी

चंडीगढ़।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को चंडीगढ़ के पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज में 3 नए कानूनों को लागू करने की समीक्षा की। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह भी उनके साथ रहे। यहां उन्होंने चंडीगढ़ में लागू किए गए कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का डेमो भी देखा। पहले गृह मंत्री अमित शाह ने संबोधन में कहा कि नए कानूनों के बाद हमें अंग्रेजों के जमाने के गुलाम क्रिमिनल सिस्टम से छुटकारा मिल गया है। अब तारीख पर तारीख का खेल खत्म हो गया है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब तारीख पर तारीख के दिन लद गए यानी खत्म हो गए हैं। नए कानूनों से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई मजबूत होगी। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में आने वाली कानूनी अड़चन दूर होगी।

पीएम मोदी ने कहा कि 2020 में इन 3 नए कानूनों का नोटिफिकेशन जारी हुआ था। इसके बाद कई जगह से सुझाव लिए गए। इसमें हाईकोर्ट के जजों और लोगों बात की गई। आजादी के 7 दशकों में न्याय व्यवस्था में आई चुनौतियों पर मंथन किया गया। देश को 1947 में आजादी मिली। कई लोगों के बलिदान के बाद जब आजादी की सुबह आई तो कैसे-कैसे सपने थे, लोगों में कितना उत्साह थे। लोगों ने सोचा था कि अंग्रेज चले गए हैं तो अंग्रेजों के कानूनों से भी मुक्ति मिलेगी। यह कानून अंग्रेजों के शोषण करने का जरिया थे, जिनसे वह भारत में अपनी सत्ता मजबूत करना चाहते थे।

आईपीएसी भारतीयों को दंड देने के लिए बनाई थी

पीएम ने कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ हमारे देश में 1857 में विद्रोह शुरू हुआ था। उसके बाद 1860 में अंग्रेजों ने आईपीसी बनाई। इन कानूनों का मकसद था कि भारतीय को दंड दिया जाए, उन्हें गुलाम किया जाए। वहीं, देश की आजादी के दशकों के बाद उसी दंड संहिता के इर्द-गिर्द घूमते रहे। हालांकि इन कानूनों में थोड़ा-बहुत बदलाव जरूर हुआ, लेकिन इनका चरित्र वही बना रहा। आजाद देश में गुलामों के लिए बने कानूनों को क्यों ढोया जाए।

न हमने यह बात उनसे पूछी न ही शासन कर रहे लोगों ने समझी। इन्होंने भारत की विकास यात्रा को प्रभावित किया। वहीं, अब देश उस गुलामी से बाहरी निकले। इसके लिए राष्ट्रीय चिंतन आवश्यक था। इसलिए 15 अगस्त को मैंने लाल किले से यह चीज लोग सामने रखी थी।

गरीब-मजदूर अब कोर्ट-कचहरी से नहीं डरेंगे

पीएम ने कहा कि गरीब व कमजोर लोग कानून के नाम से डरते थे। पहले वह लोग कोर्ट-कचहरी में कदम रखने से डरते थे, लेकिन अब भारतीय न्याय संहिता लोगों की इस मानसिकता को बदलने का काम करेगी।यही सच्चा सामाजिक न्याय है। जिसका भरोसा हमारे संविधान में दिलाया है। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा हर पीड़ित के प्रति संवेदनशीलता से परिपूर्ण है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

निरंतर मजबूत हो रही है भारतीय नौसेना

(लेखक - योगेश कुमार गोयल/ईएमएस)

भारतीय नौसेना दिवस (4 दिसम्बर) पर विशेष)

प्रतिवर्ष 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना के जांबाजों को याद करते हुए 'भारतीय नौसेना दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय नौसेना की शानदार जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 3 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने हमारे हवाई और सीमावर्ती क्षेत्र में हमला कर दिया था। दुष्ट पाकिस्तान को उस हमले का मुहतोड़ जवाब देने के लिए पाकिस्तानी नौसेना के कराची स्थित मुख्यालय को निशाने पर लेकर 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' चलाया गया था और भारतीय नौसेना की मिसाइल नाव तथा दो युद्धपोतों के आक्रमणकारी समूह ने कराची के तट पर जहाजों के समूह पर हमला कर दिया था। हमले में पाकिस्तान के कई जहाज और ऑयल टैंकर तबाह कर दिए गए थे।

भारतीय नौसेना का वह हमला इतना आक्रामक था कि कराची बंदरगाह पूरी तरह बर्बाद हो गया था और कराची तेल डिपो पूरे सात दिनों तक धू-धूकर जलता रहा था। तेल टैंकरों में लगी आग की लपटों को 60 किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। उस हमले में कराची हार्बर फ्यूल स्टोरेज तबाह होने के कारण पाकिस्तानी नौसेना की कमर टूट गई थी। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल बोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में जीत हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को सलाम करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाने की शुरूआत हुई। नौसेना दिवस हर साल एक खास थीम के साथ मनाया जाता है और 2024 के नौसेना दिवस का विषय है 'नवाचार और स्वदेशीकरण के माध्यम से शक्ति और शक्ति'।

नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरुआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना मुख्य रुप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। भारत के राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एडमिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे। भारतीय नौसेना का नीति वाक्य है 'शं नो वरूण:' अर्थात् जल के देवता वरूण हमारे लिए मंगलकारी रहें।

भारतीय नौसेना का कार्य भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना है और इसके गठन का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा है। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारतीय नौसेना की स्थापना वर्ष 1612 में ब्रिटिश व्यापारियों के जहाजों की सुरक्षा के लिए 'ईस्ट इंडिया कम्पनी मरीन' के रूप में की थी। वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से बॉम्बे में स्थानांतरित हो जाने के बाद इस दस्ते का नाम 'ईस्ट इंडिया मरीन' से बदलकर 'बॉम्बे मरीन' कर दिया गया, जिसने मराठा, सिंधी युद्ध के साथ-साथ वर्ष 1824 में बर्मा युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्ष 1892 में इसका नाम 'रॉयल इंडियन नेवी' रखा गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1950 में नौसेना का गठन फिर से किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के बाद इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी से बदलकर इंडियन नेवी (भारतीय नौसेना) कर दिया गया।

भारतीय नौसेना वर्तमान में विशालकाय और एडवांस फीचर से लैस अपने युद्धक पोतों, सबमरीन्स इत्यादि के बलबूते दुनियाभर में चौथे स्थान पर है। मौजूदा समय में भारतीय नौसेना की ताकत पर नजर डालें तो भारतीय नौसेना के बेड़े में दो विशाल विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य तथा आईएनएस विक्रांत के अलावा अनेक अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट, वॉरफेयर शिप, सबबमरीन तथा अन्य सैन्य साजो-सामान हैं, जो इसे दुनिया में चौथी सबसे मजबूत नौसेना बनाते हैं। बहरहाल, यह गर्व की बात है कि हिन्द महासागर में ड्रैगन के कब्जे की रणनीति को नाकाम करने के लिए भारत अपनी समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए लगातार विध्वंसक युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में लगा है। इसी कड़ी में आईएनस कलवरी, खंडेरी और आईएनएस करंज के बाद स्वदेशी पनडुब्बी आईएनएस वेला को नौसेना में शामिल किया जा चुका है, जो अत्याधुनिक मशीनरी और टैक्नोलॉजी के साथ-साथ घातक हथियारों से भी लैस है। इस सबमरीन को 'साइलेंट किलर' कहा जाता है, जो दुश्मन को उसकी मौत की भनक तक नहीं लगने देती। कुल मिलाकर, भारतीय नौसेना की ताकत दिनों-दिन बढ़ रही है और वर्तमान में इसकी ताकत के आगे पाकिस्तानी नौसैना कहीं नहीं ठहरती तथा चीन की चुनौतियों का भी हमारी नौसेना डटकर मुकाबला कर रही है। (लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

भारतीय नौसेना का कार्य भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना है और इसके गठन का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा है। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारतीय नौसेना की स्थापना वर्ष 1612 में ब्रिटिश व्यापारियों के जहाजों की सुरक्षा के लिए 'ईस्ट इंडिया कम्पनी मरीन' के रूप में की थी। वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से बॉम्बे में स्थानांतरित हो जाने के बाद इस दस्ते का नाम 'ईस्ट इंडिया मरीन' से बदलकर 'बॉम्बे मरीन' कर दिया गया, जिसने मराठा, सिंधी युद्ध के साथ-साथ वर्ष 1824 में बर्मा युद्ध में भी हिस्सा लिया था।

संपादकीय

जनसंख्या का गणित

देश में विभिन्न दलों के राजनेता और धार्मिक नेता अपने तात्कालिक हितों की पूर्ति हेतु अपने लक्षित समूहों की आबादी बढ़ाने की जरूरत बताते रहे हैं। आबादी के बोझ से चरमराती नागरिक सेवाओं और सीमित संसाधनों के बीच आबादी बढ़ाने का आह्वान करना तार्किक दृष्टि से गले नहीं उतरता। लेकिन इसके बावजूद धार्मिक व सांप्रदायिक समूह के अगुआ आबादी बढ़ाने का आह्वान करते नजर आते हैं। इस विवादास्पद मुद्दे की हालिया चर्चा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणी के कारण फिर सुर्खियों में है। उनका कहना है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश में जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट आ रही है। उन्होंने एक तस्वीर उकेरते हुए कहा है कि जिस समाज की कुल प्रजनन दर 2.1 से नीचे चली जाएगी, कालांतर उस समाज को एक चुनौती का सामना करना पड़ेगा। उनकी दलील है कि बहुसंख्यक समाज को हम दो, हमारे तीन के समाधान पर अमल करना चाहिए। यानी प्रत्येक जोड़े को कम से कम तीन बच्चे पैदा करने चाहिए। उल्लेखनीय है कि राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री ने एक समुदाय विशेष को इंगित करते हुए चिंता जतायी थी कि अधिक आबादी वाला समुदाय जनसंख्या संतुलन के लिये चुनौती पेश कर रहा है। वहीं दूसरी ओर इस विवादास्पद भाषण के कुछ सप्ताह के बाद प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद द्वारा जारी आंकड़ों के निष्कर्ष में इस बात को लेकर चिंता जतायी गई थी कि 1950 से 2015 के बीच बहुसंख्यक समाज की आबादी में 7.82 फीसदी की कमी आई है। वहीं देश के मुख्य अल्पसंख्यक समुदाय की आबादी में 43 फीसदी की वृद्धि हुई है। दरअसल, इन्हीं आंकड़ों के जरिये भविष्य में बहुसंख्यक समाज के समक्ष उत्पन्न होने वाली चुनौतियों के रूप में पेश किया जाता है। दरअसल, राजनीतिक नेतृत्व व धार्मिक संगठनों के नेताओं द्वारा अपनी सुविधा की जनसंख्या नीति को लेकर जो दलीलें दी जा रही हैं, वे एक अर्थशास्त्री द्वारा लक्षित जनसंख्या की संकल्पना दृष्टि के मद्देनजर विरोधाभासी कही जा सकती हैं। वहीं दूसरी ओर देश के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा था कि विकसित भारत के लक्ष्य हासिल करने में छोटे परिवार मददगार साबित हो सकते हैं। निश्चित रूप से जनसंख्या से जुड़ी विरोधाभासी दलीलों की तार्किकता तलाश पाना एक कठिन कार्य रहा है। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि देश में परिवार नियोजन और गर्भनिरोधक के प्रयोग में वृद्धि के कारण प्रजनन दर में काफी गिरावट आई है। वहीं ऐसे ही तात्कालिक कारणों तथा राजनीतिक लक्ष्यों ने आंध्र प्रदेश में टीडीपी सरकार को दो संतानों की नीति को खत्म करने के लिये प्रेरित किया है। ऐसी ही जनसंख्या नीति में बदलाव के लिये तमिलनाडु सरकार की तरफ से विरोधाभासी बयान विगत में सोशल मीडिया पर खूब चर्चा का विषय बने हैं। ऐसे हालात में विभिन्न राज्यों में सरकारों को चाहिए कि वे जनसंख्या नीति पर बयानबाजी करने से पहले उपलब्ध संसाधनों का मूल्यांकन करें।

व्यवस्था में पारदर्शिता से दूर होगा कुपोषण

पीडीएस में लीकेज

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में इंडियन कौंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकॉनामिक रिलेशंस द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में पाया गया है कि देश पीडीएस के तहत भारतीय खाद्य निगम और राज्य सरकारों द्वारा आपूर्ति किए गए अनाज का 28 फीसदी इच्छित लाभार्थियों तक नहीं पहुंच पाता है। यानी सालाना करीब दो करोड़ टन अनाज का लीकेज होता है। अर्थव्यवस्था को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ती है। इस वजह से सालाना करीब 69 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का आर्थिक नुकसान होता है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्र सरकार का खाद्य सब्सिडी बिल 2.05 लाख करोड़ रुपये का है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2016 से राशन की दुकानों में पाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनों की शुरुआत से लीकेज में कमी आई है। वर्ष 2011-12 की खपत संख्या के आधार पर शांता कुमार समिति ने कहा था कि पीडीएस व्यवस्था में करीब 46 फीसदी लीकेज है। यद्यपि इस समय इस लीकेज में कमी आई है, लेकिन यह अभी भी काफी अधिक है। ऐसे में जरूरी है कि पीडीएस के लिए बेहतर निगरानी और संरचनात्मक सुधारों की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा जाए। देश में गरीबों पर केंद्रित लक्षित पीडीएस की शुरुआत जून, 1997 में हुई है। इस समय दुनिया में भारत सबसे बड़ी सार्वजनिक राशन वितरण प्रणाली के लिए जाना जाता है। देश भर में मौजूदा पांच लाख से अधिक उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से निःशुल्क खाद्यान्न वितरण किया जाता है। खासतौर से सितंबर, 2013 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के पारित होने के साथ ही पीडीएस व्यवस्था में बड़ा सुधार हुआ है। यह अधिनियम देश की 67 फीसदी आबादी को अपने दायरे में लेता है। सरकार के द्वारा कोविड-19 महामारी के दौरान वंचित वर्गों के पात्र लोगों के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अतिरिक्त अनाज दिया जाने लगा है और तब से लगातार अब तक केंद्र सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत देश के 81.35 करोड़ लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न मुहैया करा रही है। सरकार ने वर्ष 2028 तक इस योजना का लाभ सुनिश्चित किया है। देश में कमजोर वर्ग के लोगों को व्यवस्थित रूप से निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किए जाने में पीडीएस की अहम भूमिका है। इससे गरीबी में कमी आ रही है। कई प्रमुख वैश्विक संगठनों के द्वारा उनकी रिपोर्टों में भारत में बहुआयामी गरीबी घटाने में 81 करोड़ से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत मुफ्त खाद्यान्न दिए जाने और उससे गरीब वर्ग की उत्पादकता बढ़ने के निष्कर्ष भी दिए गए हैं। अमेरिकी के प्रसिद्ध थिंक टैंक द ब्रुकिंग्स इंस्टिट्यूशन की रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां वर्ष 2011-12 में भारत की 12.2 फीसदी आबादी अत्यधिक गरीब थी, वहीं यह वर्ष 2022-23 में घटकर महज दो फीसदी ही रह गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबों की उत्पादकता वृद्धि, तेज विकास और असमानता में कमी के चलते भारत को यह कामयाबी मिली है। लेकिन अभी भी कमजोर वर्ग तक निःशुल्क गेहूं और चावल के अलावा पोषण युक्त श्रीअन्न यानी मिलेट्स की उपयुक्त आपूर्ति न होने से करोड़ों लोग पोषण सुरक्षा के मद्देनजर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

हाल ही में प्रकाशित ग्लोबल हंगर इंडेक्स (जीएचआई) 2024 में भारत 127 देशों में 105वें नंबर पर है। लेकिन भारत के लिए अभी भी हंगर इंडेक्स का स्कोर 27.3 है जो गंभीर बना हुआ है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा जारी रिपोर्ट में भी कहा गया है कि भारत में करीब 74 फीसदी लोगों को पोषण युक्त आहार नहीं मिल पाता है। निश्चित रूप से देश के 81 करोड़ से अधिक लोगों तक निःशुल्क खाद्यान्न वितरण, इच्छित लाभार्थियों तक इसकी उपयुक्त पहुंच और पोषण युक्त खाद्यान्न की आपूर्ति सुनिश्चित करने के मद्देनजर देश की पीडीएस व्यवस्था पर नए सिरे से विचार करना होगा। मौजूदा पीडीएस व्यवस्था को इस तरह सुधारना होगा, जिससे सरकार गरीबों के कल्याण और गरीबी निवारण लक्ष्य को पाने के लिए आगे बढ़ सके और वास्तविक लाभार्थी इसके लाभों को प्राप्त कर सके। पीडीएस के तहत प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण में ऐसे परिवर्तन की संभावना तलाशना जरूरी है, जिससे इस व्यवस्था की पारदर्शिता बढ़ाई जा सके और अकुशलता में भी कमी की जा सके। केंद्रीय खाद्य मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक राशन कार्ड के डिजिटलीकरण के चलते देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को अधिक कारगर बनाने के लिए आधार एवं ईकेवाईसी प्रणाली के माध्यम से सत्यापन कराने के बाद अब तक फर्जी पाए गए 5 करोड़ 80 लाख से अधिक राशन कार्ड रद्द कर दिए गए हैं। चूंकि अभी तक पीडीएस लाभार्थियों में से करीब 64 फीसदी का ही ईकेवाईसी किया गया है, अतएव शेष का ईकेवाईसी तेजी से बढ़ाकर पीडीएस को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

लेखक अर्थशास्त्री हैं।

(चिंतन-मनन)

अनुभव का लाभ

एक विदेशी राजा ने भारत पर आक्रमण करना चाहा। उसने सोचा कि आक्रमण से पूर्व यह जान लेना चाहिए कि उस राजा के पास कोई बुद्धिमान व्यक्ति है या नहीं? उस राजा ने सुरमे की एक डिबिया देकर एक दूत भेजा। उस डिबिया में दो आंखों में ही लगाने लायक सुरमा था। वह सुरमा अंधे को आंख देने में समर्थ था। दूत आया। दूत ने कहा, दो आंखों में ही आ जाए, इस डिबिया में इतना-सा सुरमा है। हमें इसकी अधिक आवश्यकता है। आपके पास हो तो हमें दें। या इस सुरमे के आधार पर कोई व्यक्ति ऐसा ही सुरमा बना सके तो हम उस आदमी को अपने साथ ले जाना चाहेंगे।

राजा ने मंत्रियों से सलाह ली। किन्तु ऐसा सुरमा कौन बना सके? किसी को समाधान नहीं आया। राजा ने सोचा, एक बूढ़ा मंत्री था, जो अभी सेवानिवृत्त हुआ है, उससे पूछा जाए। राजा ने उसे बुला भेजा। वह अंधा हो गया था। वह आया। मंत्री ने डिबिया ली। एक आंख में सुरमा लगाया। कुछ ही क्षणों बाद उसे दिखने लगा। जो शेष सुरमा बचा था, उसे अपनी जीभ पर रख लिया। स्वाद से उसने सुरमे के सारे द्रव्यों का विश्लेषण कर लिया। घर जाकर वैसा ही सुरमा बनाया। परीक्षण के लिए अपनी दूसरी आंख में उसे लगाया। आंख खुल गई। उसने शेष सुरमा डिबिया में भरकर दूत से कहा, जाओ, अपने सम्राट से कहना कि ऐसा सुरमा जितना चाहे यहां से मंगा लें। दूत गया। सम्राट को वृत्तान्त सुनाया। सम्राट ने सोचा, जिस देश में ऐसे अनुभवी और वृद्ध रहते हैं, इतने बुद्धिमान मंत्री हैं, उस देश पर आक्रमण करना भयंकर भूल होगी।

विचार मंथन

जहां देखो वहीं जंग, फिर सुरक्षित कौन

(लेखक - डॉ हिदायत अहमद खान)

यह तो सच है कि दुनियां कभी भी जंग से खाली नहीं रही। पहले कभी राज-पाट को लेकर राजा-महाराजा आपस में भिड़ते थे, लेकिन उसके बाद जो दो विश्वयुद्ध हुए उसमें दुनियां दो हिस्सों में बंटती नजर आई। इसी के साथ लोकतांत्रिक सरकारों का शानदार उदय हुआ, जिससे उम्मीद जागी कि अब युद्ध जैसे हालात नहीं बनेंगे और मिल-बैठकर समस्याओं का समाधान निकाल लिया जाएगा। पर अफसोस कि दुनियां के अनेक देश गृहयुद्ध जैसी स्थिति में खुद से ही जंग करते देखे गए। इसके अलावा कभी अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को लेकर तो कभी वैश्विक नीतियों को लेकर जंग जारी रही। इससे और आगे बढ़ें तो कभी दुनियां में आर्थिक बादशाहत कायम करने को लेकर तो कभी हथियारों की मंडी को कब्जियाने को लेकर जंग होती देखी गई। अब हालात इस कदर बदतर हो चले हैं कि जहां नजरें दौड़ाइये बेबजह ही जंग होती नजर जा जाती है। इसी तारतम्य में लंबे समय तक ईराक जंग में रहा, क्योंकि उस पर जैविक हथियार बनाने और छुपाए रखने का अंदेशा था। इस कथित जुर्म में ईराक प्रमुख सद्दाम हुसैन को फांसी के फंदे तक पहुंचाने वाले अमेरिका को कहां चैन मिली? इसके बाद अनेक मोर्चों समेत अफगानिस्तान में तालिबान ने किस तरह अमेरिका को हार मिली, यह किसी से छुपा नहीं है। अफगानिस्तान में पहले रुस को पस्त करवा चुके अमेरिका को इस बात का अंदाजा भी नहीं था कि उसे भी तालिबान से लड़ते-लड़ते एक दिन पस्त हो भागना पड़ सकता है। अपनी जिद की खातिर दूसरे देशों पर जंग लाजमी है जैसे हालात पैदा करने की कूनीति से दुनियां के अनेक देश दो-चार होते देखे गए। सीरिया का गृह युद्ध और उस पर अमेरिका और रुस जैसे देशों की कार्रवाई भी नजरअंदाज नहीं की जा सकती है। अब मौजूदा वक्त में मिडिल ईस्ट के इजराइल समेत लेबनान और ईरान भी लड़ते-भिड़ते नजर आ रहे हैं। हालांकि इजराइल के अलावा बाकी अन्य देश सीधे मोर्चे पर नहीं दिखते, लेकिन उनके मिलिटेंट ग्रुप जरुर अहम काम करते देखे जा रहे हैं। मानों इंसानीयत को ताक पर रख सभी मशीनी मानव एक-दूसरे के खून के प्यासे हो चले हैं। रूस और यूक्रेन की जंग को भी तीन साल होने को आ गए हैं, लेकिन कहीं से कोई शांति स्थापित होती दिखाई नहीं दे रही है, उल्टा परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी बहुतायत में दी जा रही है। अफ्रीकी देशों में भी गृह युद्ध जारी हैं। इसी बीच उत्तर कोरिया अलग ही स्तर पर आक्रामकता दिखाता नजर आता है। उत्तर कोरिया के प्रमुख नेता किम जोंग उन तो सीधे हमले की धमकी देते दिखते हैं और अमेरिका के खिलाफ सीना तान खड़े नजर आ जाते हैं। कुल मिलाकर दुनिया में इस समय जहां जंग का माहौल है तो वहीं भारी राजनैतिक उठापटक भी जारी है। बांग्लादेश जैसे छोटे-छोटे देशों में भी सत्ता को लेकर जंग जारी है। इस समय दुनिया के कई देशों में युद्ध छिड़ा हुआ है। हालात अस्थिर हैं इसलिए परमाणु हमले की भी आशंका जोर पकड़ती चली जा रही है। यह तो सभी जान रहे हैं कि यदि परमाणु युद्ध हुआ तो फिर संपूर्ण दुनियां के लिए चिंता की बात हो जाएगी। ऐसे में अनेक यूरोपियन देशों ने अपने नागरिकों के लिए सिविल प्रिपेयर्डनेस गाइडलाइन भी जारी की हैं ताकि इमरजेंसी जैसे हालात बनें तो वे सुरक्षित रह सकें। ऐसे हालात में उन देशों के कर्ता-धर्ताओं पर हंसी आती है जो यह मानकर चल रहे हैं कि कहीं भी कोई भी, कैसी भी जंग छिड़ जाए, वे हमेशा सेफ रहने वाले हैं। एक तरफ बहुत से देश युद्ध से परेशान चल रहे हैं, वहीं अनेक देशों को इस बात से कोई सरोकार ही नहीं है। वे या तो यह मान रहे हैं कि युद्ध की विभीषिका उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती या फिर यह मान रहे हैं कि युद्ध इतना आगे नहीं जाएगा, कि उसकी आंच उन तक पहुंच जाए। ऐसे ही देशों को लेकर द कनवर्सेशन ने एक रिपोर्ट साझा की, जिसके अनुसार यूके और यूएस जैसे देश आकस्मिक युद्ध जैसे हालात के लिए किसी भी तरह से तैयार नहीं हैं। इन्हें मनोविज्ञान की भाषा में ऑप्टिमिज्म बायस बताया गया है। इस टेंडेंसी के लोग जरुरत से ज्यादा सकारात्मक सोच रखते हैं, इसलिए दुनियां जाए भाड़ में हमें क्या पड़ी वाला सिद्धांत पर ये काम करते रहते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया की स्टडी में तो यह भी पाया गया है कि यूएस, यूके और कनाडा के लोगों में सच्चाई से दूर भागने की हद तक आशावादिता है। वहीं दूसरी तरफ एशियाई देशों के लोग ज्यादा जमीनी और प्रैक्टिकली हैं। इसलिए लगातार चेताया जा रहा है कि युद्ध ठीक नहीं है, इसे रुकना ही चाहिए। ऐसे आशावादी देश यदि लगातार युद्ध को भड़काए रखने का काम नहीं कर रहे हैं तो शांति बहाली के प्रयास भी नहीं कर रहे हैं। यह भी एक तरह से दुनियां में युद्ध को प्रश्रय देने जैसा ही काम है। इसकी भी निंदा होनी ही चाहिए और कोशिश की जानी चाहिए कि जल्द से जल्द दुनियां युद्ध से शांति की ओर अग्रसर हो, ताकि आने वाली पीढ़ी को एक ऐसा जहां हम सौंप कर जा सकें, जिसमें वो सुख-चैन के साथ न सिर्फ सांस ले सकें बल्कि बेहतर जीवन-यापन करते हुए विकास को गति प्रदान कर सकें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका ने चीन की और कंपनियों पर कसी लगाम

कंप्यूटर चिप, चिप बनाने के उपकरण तथा सॉफ्टवेयर बनाने वाली कई कंपनियां शामिल

बैंकॉक । अमेरिका के वाणिज्य मंत्रालय ने अपनी निर्यात नियंत्रण पहल का विस्तार करते हुए चीन की और कंपनियों पर लगाम कसने की तैयारी कर ली है। इसमें कंप्यूटर चिप, चिप बनाने के उपकरण तथा सॉफ्टवेयर बनाने वाले उपकरण बनाने वाली कई कंपनियां शामिल हैं। इस तथाकथित इकाई सूची में शामिल की गई 140 कंपनियों में से करीब सभी चीन में स्थित हैं। हालांकि जापान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर में चीनी स्वामित्व वाली कुछ कंपनियों को भी इसमें शामिल किया गया है। इन कंपनियों के इकाई सूची में शामिल होने से तात्पर्य है कि इनके साथ व्यापार करने की कोशिश करने वाली किसी भी अमेरिकी कंपनी को निर्यात लाइसेंस देने से इनकार कर दिया जाएगा। संशोधित नियम सोमवार को अमेरिकी संघीय रजिस्टार की वेबसाइट पर साझा किए गए। नियम चीन को उच्च बैंडविड्थ मेमोरी चिप के निर्यात को भी सीमित करते हैं। कृत्रिम मेधा जैसे उन्नत अनुप्रयोगों में भारी मात्रा में डेटा को संसाधित करने के लिए ऐसी चिप की आवश्यकता होती है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने इसका विरोध जताया और कहा कि वह अपने 'अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए काम करेगा।

एचडीएफसी बैंक के शेयरों में ब्लॉक डील से मार्केट कैप नए ऊंचाई पर

- डील में 21.7 लाख शेयरों का लेनदेन हुआ

मुंबई । एचडीएफसी बैंक के शेयरों में एक बड़ी ब्लॉक डील की खबर आई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, इस डील में 21.7 लाख शेयरों का लेनदेन हुआ, जिसके कारण शेयर की कीमत 1,837.40 रुपए तक पहुंच गई, जो एक नया ऑल-टाइम हाई है। इससे बैंक का मार्केट कैप एक बार फिर 14 लाख करोड़ के पार पहुंच गया। ब्लॉक डील के पहले 12 महीनों के प्रदर्शन के आधार पर बैंक के शेयर ने करीब 14 फीसदी का रिटर्न दिया है, जो निफ्टी के 18 फीसदी के रिटर्न से कुछ कम है। मुख्य वजह समेत, 25 नवंबर को एमएससीआई इंडेक्स में रीबैलेंसिंग के बाद बैंक के वेटेज में बढ़ोतरी हुई थी और इसके बाद बैंक में 1.88 अरब डालर का पैसिव निवेश भी आया था। एचडीएफसी बैंक के शेयर बाजार में मजबूत मोमेंटम दर्ज कर रहे हैं और श्रेष्ठता के मान्यता देते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि रीबैलेंसिंग और मजबूत फंडामेंटल्स के कारण बैंक के शेयर में और भी तेजी आ सकती है। वर्तमान मे एचडीएफसी बैंक के साझेदार और निवेशकों के लिए यह सुनहरा समय हो सकता है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने निष्क्रिय खातों को लेकर जताई नाराजगी

आरबीआई ने बैंकों को निष्क्रिय खातों को तत्काल सक्रिय करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में बैंकों को चेतावनी दी है कि वे निष्क्रिय खातों की संख्या कम करें और उन्हें तत्काल सक्रिय करें। इस निर्देश के पीछे का कारण है रिजर्व बैंक की चिंता की बढ़ती मात्रा पर जिसमें निष्क्रिय खातों में पड़ी धनराशि की बढ़ती संभावना मानी जा रही है। वे बैंकों से प्राथमिकता के साथ ऐसे निष्क्रिय खातों को सक्रिय करने की मांग कर रहे हैं। निष्क्रिय खातों से संबंधित समस्याओं को उजागर करने वाले आरबीआई के पर्यवेक्षण विभाग के एक विश्लेषण से पता चला है कि कई बैंकों में निष्क्रिय या फ्रीज खातों में निरपेक्ष रूप से अधिक धनराशि जमा हो रही है जिससे बैंकों को संदेह हो रहा है। इन खातों में बड़ी संख्या सरकारी योजनाओं के लाभ वाले लाभार्थियों के खातों की है, जो डीबीटी से जुड़े हैं। आरबीआई ने बैंकों को विभिन्न उपायों के साथ खाताधारकों को सक्रिय करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बैंकों को निष्क्रिय/जमा किए गए खातों की संख्या कम करने के लिए तत्काल कदम उठाने की सलाह दी है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सुझाव दिया है कि बैंक मोबाइल/इंटरनेट बैंकिंग, विभिन्न शाखाओं और वीडियो ग्राहक पहचान प्रक्रिया के माध्यम से खाताधारकों का केवाईसी निर्बाध अद्यतन करने का मार्गदर्शन दिया है।

नया जीएसटी स्लैब से ठंडे पेय पदार्थों, तंबाकू उत्पादों पर बढ़ा सकता है टैक्स

- वर्तमान में तंबाकू उत्पादों पर लगता है 28 प्रतिशत का टैक्स

नई दिल्ली ।

मंत्रियों के समूह ने तंबाकू, तंबाकू उत्पादों और ठंडे पेय के लिए एक नया जीएसटी स्लैब की सिफारिश की है, जिससे इन पदार्थों पर 35 प्रतिशत का टैक्स लग सकता है। वर्तमान में इन उत्पादों पर 28 प्रतिशत का टैक्स लगता है। इसके साथ ही लक्जरी वस्तुओं पर भी टैक्स में वृद्धि की सिफारिश की गई है। 21 दिसंबर को आंध्रप्रदेश में होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक में इस मामले पर चर्चा होने की उम्मीद है। इस बैठक में अन्य मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा, जिसमें 18 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत करने की सिफारिश भी शामिल है। सरकार को अतिरिक्त राजस्व मिलने की उम्मीद है जिससे इसे विपणन और विक्रय में वृद्धि की जाए। जीएसटी परिषद की अगली बैठक में इसकी समीक्षा की जाएगी, जहां नई स्लैब संरचना पर भी विचार होगा। जीओएम ने अभ्यास पुस्तकों और पैकेज्ड पेयजल पर टैक्स कम करने की सिफारिश दी है, जो सामान्य जनता के आवश्यक उत्पादों के लिए काफी भविष्यवाणी है। इसके साथ ही उन्होंने भी संशोधित स्लैब जारी की है जिसमें किसी भी कपड़े की मूल्य 10,000 रुपये से कम है तो 5 प्रतिशत, 10,000 रुपये से अधिक लेकिन 1,500 रुपये तक के उत्पादों पर 18 प्रतिशत और 10,000 रुपये से अधिक की किमत वाले उत्पादों पर 28 प्रतिशत का टैक्स लगाने की सिफारिश की है। इन सुझावों से मानव जीवन की आवश्े यके ताओं पर किया जा रहा कर बोझ कम होने की उम्मीद है, जिससे नागरिकों को आर्थिक हरकत में सुधार मिल सके।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया पांच पैसे की बढ़त पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी की वजह से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई जिससे रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में चार पैसे की गिरावट के साथ अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.76 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये में गिरावट की मुख्य वजह डोनाल्ड ट्रंप की ब्रिक्स मुद्रा को लेकर दी गई चेतावनी, यूरोक्षेत्र में राजनीतिक अस्थिरता, कमजोर घरेलू समष्टि आर्थिक संकेतक और निरंतर विदेशी पूंजी की निकासी रही। रुपया सोमवार को 12 पैसे की गिरावट के साथ अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.72 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 106.51 पर रहा।

नवंबर में बेरोजगारों की संख्या 34 लाख घटी

- पांच लाख को ही मिला रोजगार

नई दिल्ली ।

देश में बेरोजगारी दर में नवंबर महीने में थोड़ी कमी देखने का अनुमान है, लेकिन बेरोजगारों की संख्या में एक बड़ी गिरावट आई है। अक्टूबर महीने में देश में 8.7 फीसदी बेरोजगारी दर थी, जो नवंबर में 8 फीसदी हो गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में बेरोजगारों की संख्या में 34 लाख की गिरावट देखने को मिली है। केवल 5 लाख लोगों को ही रोजगार मिल पाया। इस डेटा के मुताबिक, श्रम बाजार गिरावट के बावजूद ठंडा पड़ गया है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसमें त्योहारों का असर भी हो सकता है। नवंबर महीने में करीब 29 लाख लोगों ने श्रम बाजार छोड़ दिया। देश में अक्टूबर महीने में 3.97 करोड़ बेरोजगार थे, जो नवंबर में 3.62 करोड़ रह गई है। बेरोजगारी से ग्रस्त लोगों में से 30 लाख लोगों ने रोजगार की तलाश बंद कर दी है, लेकिन इन्हें फिर से रोजगार मिलने की उम्मीद है। दिसंबर में अतिरिक्त रोजगार देने की उम्मीद है, लेकिन बेरोजगारी दर का अधिक होने का खतरा भी बना रहेगा। देश में बेरोजगारी दर अक्टूबर में 8.7 फीसदी के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद नवंबर, 2024 में घटकर 8 फीसदी रह गई। इस दौरान बेरोजगारों की संख्या में 34 लाख की बड़ी गिरावट देखने को मिली, जबकि रोजगार सिर्फ पांच लाख लोगों को ही मिला। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले माह घटने के बावजूद बेरोजगारी दर अब भी अधिक है। नवंबर लगातार दूसरा महीना रहा, जब बेरोजगारी दर 8 फीसदी या उससे अधिक रही है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। बैंकिंग, मेटल के अलावा तेल कंपनियों के शेयरों में तेजी से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 597.67 अंक करीब 0.74 फीसदी बढ़कर 80,845.758 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 181.10 अंक तकरीबन 0.75 फीसदी ऊपर आकर 24,457.15 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 25 शेयर बढ़त पर बंद हुए। अदाणी पोर्ट्स, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, एसबीआई और एलएंडटी सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस, एचसीएल टेक, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, टीसीएस, टाइटन, जेएसडब्लयू स्टील, पावर ग्रिड, इंफोसिस, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, एचयूएल, टाटा स्टील, मारुति के शेयर भी उछले। इसी प्रकार से, निफ्टी के 41 शेयरों में तेजी रही , जबकि 9 शेयर नीचे आये।

वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 5 शेयर लाल निशान पर बंद हुए। भारती एयरटेल, आईटीसी, एशियन पेंट्स, सन फार्मा और कोटक बैंक सेंसेक्स के नुकसान वाले पांच शेयर रहे। आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में 1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। जबकि निफ्टी मिडकैप100 और निफ्टी स्मॉलकैप100 इंडेक्स क्रमशः 0.89 फीसदी और 0.84 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। निफ्टी एफएमसीजी और फार्मा को छोड़कर सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए। निफ्टी पीएसयू बैंक और मीडिया इंडेक्स 2 फीसदी से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए। इसके बाद बैंक निफ्टी, ओएमसी और मेटल इंडेक्स सभी 1 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए।

एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग बढ़त पर बंद हुए जबकि यूरोपीय बाजार लाभ में कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजारों में सोमवार को बढ़त रही।

वहीं पिछले कारोबारी सत्र यानी सोमवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए थे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। दोनों प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में बढ़त देखने को मिली। सेंसेक्स 281 अंक के उछाल के साथ 80,529.20 अंक पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी 91.45 अंक की तेजी के साथ 24,367.50 के लेवल पर खुला।

मोबाइल मैलवेयर हमलों के मामले में भारत सबसे आगे: रिपोर्ट

- जून 2023 से मई 2024 के बीच कुल हमलों में से 28 फीसदी हमले भारत में हुए

नई दिल्ली ।

भारत में मोबाइल मैलवेयर हमले बढ़ रहे हैं, जो एक चिंताजनक विकास है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस समय भारत मोबाइल मैलवेयर हमलों का सबसे बड़ा निशाना बन गया है। जून 2023 से मई 2024 के बीच कुल हमलों में से 28 फीसदी हमले भारत में हुए हैं, जो काफी चिंताजनक है। रिपोर्ट बताती है कि बैंकिंग मैलवेयर हमलों में 29 फीसदी की वृद्धि और मोबाइल स्पाइवेयर हमलों में 111 फीसदी की चौंका देने वाली वृद्धि हुई है। इससे दिखता है कि साइबर खतरे भारत में तेजी से बढ़ रहे हैं। भारतीय उद्यमों के लिए इस बढ़ते संकट का सामना करना महत्वपूर्ण है। एक रिपोर्ट के अनुसार लीगेसी सिस्टम और असुरक्षित आईओटी/ओटी परिवेश साइबर अपराधियों का मुख्य निशाना बन रहे हैं। इसलिए उद्यमों को अपने सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने की जरूरत है ताकि उन्हें साइबर हमलों से बचाया जा सके। चिंताजनक बात यह है कि गूगल प्ले स्टोर पर 200 से अधिक खतरनाक ऐप थे जो संकेत करते हैं कि सुरक्षा के मामले में हमें और भी सतर्क रहना चाहिए। आईओटी मैलवेयर में भी 45 फीसदी की वृद्धि होना भी गंभीर बात है, जो साइबर खतरों की चुनौतियों को दिखाता है। भारत को लेन-देन सुरक्षा में सुधार करने की जरूरत है ताकि उन्हें साइबर अपराधों से निपटने में मदद मिल सके। यहाँ तक कि भारत ने एपीएसी क्षेत्र में भी अपनी स्थिति सुधारी है, जो एक सकारात्मक वातावरण बनाने के लिए एक अच्छा उदाहरण है।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के शेयरों ने शेयर बाजार में जबरदस्त प्रदर्शन किया

- शेयर 10 फीसदी की तेजी के साथ 142.10 रुपए पर पहुंच गए

मुंबई ।

हाल ही में लिस्ट हुई कंपनी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के शेयरों ने शेयर बाजार में जोरदार प्रदर्शन किया है। बीएसई पर मंगलवार को शेयर 10 फीसदी की तेजी के साथ 142.10 रुपए पर पहुंच गए, जो कंपनी के लिस्टिंग के बाद का सबसे बड़ा उछाल है। 27 नवंबर को लिस्टिंग के बाद यह पहला मौका है जब कंपनी के शेयरों में अपर सर्किट लगा। सोमवार को शेयर 129.20 रुपए पर बंद हुए थे, जिससे निवेशकों को मिले शानदार रिटर्न। शेयर अब तक 31 फीसदी की वृद्धि दर्ज कर चुके हैं। ग्रीन एनर्जी सेक्टर में बढ़ते निवेश और कंपनी की मजबूत स्थिति के कारण विश्लेषकों का मानना है कि कंपनी के शेयरों में और भी तेजी जारी रह सकती है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का बाजार पूंजीकरण 1.19 लाख करोड़ रुपए के पार चला गया है, जो दर्शाता है कि इसकी मान्यता बाजार में बढ़ती जा रही है। शेयर के स्थिर ग्रोथ और निवेशकों के विश्वास के साथ, एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी ने अपने आईपीओ से कुल 10,000 करोड़ रुपए जुटाए थे, जो इसके भविष्य की रोशनी में और भी उजागर करता है। शेयर के आने वाले दिनों में और भी बढ़ती मांग का आगामी मंज़र नजर आ रहा है।

भारत के जैविक खाद्य उत्पादों का निर्यात 448 मिलियन डॉलर पहुंचा

- चालू वित्त वर्ष में जैविक खाद्य उत्पादों का निर्यात पिछले वर्ष के आंकड़े को कर सकता है पार

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने देश के प्रमुख खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विस्तारित विकास के लिए नवीनतम आंकड़ों की घोषणा की है। वित्त वर्ष 2024-25 के पहले आठ महीनों में भारत ने 447.73 मिलियन डॉलर के जैविक खाद्य उत्पादों का निर्यात किया है। यह आंकड़ा पिछले पूरे वित्त वर्ष में निर्यात किए गए 494.80 मिलियन डॉलर के बहुत करीब है। इस प्रगति के साथ उम्मीद की जा रही है कि चालू वित्त वर्ष में जैविक खाद्य उत्पादों का निर्यात पिछले वर्ष के आंकड़े को पार करेगा। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री नवनीत सिंह बिट्टू ने एक लिखित उत्तर में यह जानकारी साझा की कि वित्त वर्ष 2023-24 में भारत ने 494.80 मिलियन डॉलर के जैविक खाद्य उत्पादों का निर्यात किया था। मंत्रालय ने जैविक उत्पादों के उत्पादन के लिए उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए कोई विशिष्ट निधि आवंटित नहीं की है, लेकिन वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) जैविक उत्पादों के निर्यातकों सहित वित्तीय सहायता प्रदान करता है। भारत में राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम के अंतर्गत जैविक प्रमाणित प्रसंस्करण इकाइयों की कुल संख्या 1,016 है, एपीडा ने जानकारी प्रदान की। सितंबर में, एपीडा ने ग्लोबल रिटेल चेन लुलु ग्रुप इंटरनेशनल (एलएलसी) के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत भारतीय जैविक उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला को यूएई में ले जाने का भी निर्णय लिया गया है। एपीडा किसान उत्पादक संगठनों, किसान उत्पादक कंपनियों, सहकारी समितियों, और लुलु समूह सहित जैविक उत्पादकों के बीच कनेक्शन के लिए काम कर रहा है ताकि भारत के जैविक उत्पाद वैश्विक बाजार में पहुंच सकें।

अर्थव्यवस्था में तेजी से नवंबर में पेट्रोल, डीजल, जेट ईंधन की अधिक बिक्री हुई

- त्योहारी महीने में ईंधन की मांग बढ़ने से पेट्रोल बिक्री 8.3 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली ।

भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार इस साल नवंबर में पेट्रोल, डीजल और जेट ईंधन की बिक्री में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में बढ़ोतरी हुई है। यह वृद्धि देश में आर्थिक गतिविधियों के उच्च स्तर को दर्शाती है। त्योहारी महीने में ईंधन की मांग में वृद्धि के कारण इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम की पेट्रोल बिक्री नवंबर में 8.3 प्रतिशत बढ़कर 3.1 मिलियन टन हो गई।

जिसकी तुलना में पिछले साल इसी महीने में 2.86 मिलियन टन की खपत हुई थी। ईंधन की बिक्री में सरकारी स्वामित्व वाली इन दिग्गज कंपनियों का हिस्सा 90 प्रतिशत से अधिक है।

इसी तरह राजमार्गों पर माल की आवाजाही बढ़ने और रबी फसल की बुवाई के मौसम के दौरान कृषि क्षेत्र की बढ़ती मांग के कारण नवंबर के दौरान डीजल की खपत 5.9 प्रतिशत बढ़कर 7.2 मिलियन टन हो गई। वहीं देश में हवाई यात्रा में वृद्धि के कारण नवंबर के दौरान जेट ईंधन (एटीएफ) की बिक्री में सालाना आधार पर 3.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 6,50,900 टन हो गई।

अक्टूबर में 6,36,100 टन ईंधन की बिक्री की तुलना में यह मासिक आधार पर 2.3 प्रतिशत अधिक थी।

सरकार द्वारा गरीबों के कल्याण के लिए शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के तहत अधिक घरों ने रसोई गैस का उपयोग करना शुरू कर दिया है, इसके परिणामस्वरूप नवंबर में एलपीजी की बिक्री भी सालाना आधार पर 7.3 प्रतिशत बढ़कर 2.76 मिलियन टन हो गई। इसके अलावा आर्थिक गतिविधि में वृद्धि नवंबर में जीएसटी संग्रह में उछाल से भी देखी जा सकती है, जो 8.5 प्रतिशत बढ़कर 1.8 लाख करोड़ रुपये हो गई। वित्त मंत्रालय की मासिक आर्थिक समीक्षा में भी आर्थिक गतिविधि के कई हाई-फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर में भी उछाल की जानकारी मिलती है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के पूर्वानुमान को 7.2 प्रतिशत पर बरकरार रखा है।

नवंबर में घरेलू बाजार में कारों और एसयूवी की बिक्री में बढ़ोतरी

-प्रमुख कंपनियों का बेहतरीन प्रदर्शन, ऑटो उद्योग के लिए सकारात्मक संकेत

नई दिल्ली।

घरेलू बाजार में नवंबर महीने में कारों और एसयूवी की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रमुख कंपनियों जैसे मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और टोयोटा किर्लोस्कर ने अपने थोक बिक्री आंकड़ों में बढ़ोतरी दर्ज की है, जो भारतीय ऑटो उद्योग के लिए सकारात्मक संकेत हैं। मारुति सुजुकी ने नवंबर 2023 में 1,41,312 यूनिट्स की घरेलू यात्री वाहन बिक्री की, जो पिछले साल की इसी अवधि में 1,34,158 यूनिट्स से ज्यादा है। खासकर एसयूवी सेगमेंट में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। मारुति के पॉपुलर मॉडल जैसे ब्रेजा, ग्रैंड विटारा और जिम्नी की बिक्री में वृद्धि देखी गई और यह नवंबर 2023 में 49,016 यूनिट्स से बढ़कर 59,003 यूनिट्स हो गई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने नवंबर 2024 में 25,586 यूनिट्स की मासिक बिक्री की जो पिछले साल इसी माह में बेची गई 17,818 यूनिट्स से 44 फीसदी ज्यादा है। कंपनी ने 1,140 यूनिट्स का निर्यात भी किया। टीकेएम के वाइस प्रेसिडेंट ने बताया कि कंपनी ने अपनी उत्पाद रेंज में विविधता लाते हुए हैचबैक से लेकर एसयूवी तक के वाहन पेश किए हैं, जो कई ग्राहकों की लाइफस्टाइल के मुताबिक उपयुक्त हैं। टाटा मोटर्स ने नवंबर 2024 में 47,117 यूनिट्स की यात्री वाहनों की बिक्री दर्ज की, जो सालाना आधार पर 2 फीसदी बढ़ोतरी को दर्शाता है। हालांकि, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 1 फीसदी की गिरावट आई, जो 27,636 यूनिट्स रही। नवंबर 2024 में टाटा मोटर्स की कुल वाहन बिक्री बढ़कर 74,753 यूनिट्स हो गई, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 74,172 यूनिट्स था। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने नवंबर में 61,252 यूनिट्स की कुल बिक्री की, जिसमें से 48,246 यूनिट्स घरेलू बिक्री के थे और 13,006 यूनिट्स का निर्यात किया गया। हालांकि, कंपनी की कुल बिक्री में मामूली गिरावट आई है। एचएमआईएल के सीईओ ने बताया कि कंपनी ने एसयूवी सेगमेंट में अपनी स्थिति मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया था और इस सेगमेंट ने घरेलू बिक्री में 68.8 फीसदी का योगदान दिया। इसके अलावा, कंपनी की ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच भी मजबूत हुई, जहां नवंबर में बिक्री का 22.1 फीसदी हिस्सा आया। नवंबर के आंकड़े दर्शाते हैं कि भारतीय ऑटो उद्योग में बढ़ोतरी बनी हुई है और कंपनियां अपनी बिक्री को बढ़ाने के लिए कई सेगमेंट में नयापन ला रही है।

देश के कई शहरों में पेट्रोल-डीजल हुआ सस्ता

- ब्रेंट क्रूड का भाव गिरावट के साथ 71.83 डॉलर प्रति बैरल हुआ

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का असर मंगलवार को देश के ज्यादातर शहरों में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों ने देश के कई शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती की है। वैसे दिल्ली-मुंबई सहित देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में मंगलवार को भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गाजियाबाद जिले में पेट्रोल 14 पैसे महंगा होकर 94.58 रुपये लीटर है। डीजल भी 16 पैसे चढ़ा और 87.67 रुपये लीटर पहुंच गया है। यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 10 पैसे सस्ता हो गया और 94.69 रुपये लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 11 पैसे फिसलकर 87.81 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 37 पैसे टूटकर 105.23 रुपये लीटर तो डीजल 34 पैसे गिरकर 92.09 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे चे तेल की कीमतों में भी बड़ी गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरने के साथ 71.83 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी टूटकर 68.16 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं गाजियाबाद में पेट्रोल 94.58 रुपये और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.69 रुपये और डीजल 87.91 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.23 रुपये और डीजल 92.09 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत /ऑस्ट्रेलिया : जायसवाल की नजरें सचिन का रिकॉर्ड तोड़ने पर, ब्रैडमैन की बराबरी करना चाहेंगे कोहली

एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में होने वाले पिंक-बॉल टेस्ट के लिए तैयार है। जहां टीम इंडिया जीत दर्ज करते हुए सीरीज में पकड़ मजबूत करना चाहेगी। वहीं भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली महान सचिन तेंदुलकर और डॉन ब्रैडमैन से आगे निकलने की कोशिश करेंगे।

22 वर्षीय युवा जायसवाल रिकॉर्ड तोड़ने की होड़ में हैं। साल के अधिकांश समय घरेलू परिस्थितियों में दबदबा बनाए रखने के बाद इस युवा खिलाड़ी ने पहले टेस्ट के दौरान पर्थ में 161 रनों की शानदार पारी खेलकर ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों पर विजय प्राप्त की। इस साल अब तक जयसवाल ने 58.18 की औसत और 72.52 की स्ट्राइक रेट से 1,280 रन बनाए हैं, जिसमें 3 शतक और 7 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 214* है।

यह युवा खिलाड़ी एक कैलेंडर वर्ष के दौरान किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक टेस्ट रन बनाने के सचिन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने से 282 रन दूर है। 2010 में सचिन ने 14 टेस्ट और 23 पारियों में 78.10 की औसत से 1,562 रन बनाए जिसमें सात शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 214 था। एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक टेस्ट रन पाकिस्तान के बल्लेबाजी दिग्गज मोहम्मद यूसुफ के नाम हैं जिन्होंने 2006 में 11 मैचों और 19 पारियों में 99.33 की औसत से 1,788 रन बनाए थे। उन्होंने 202 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 9 शतक और तीन अर्द्धशतक बनाए। दूसरी ओर विराट कोहली ब्रैडमैन के रिकॉर्ड की बराबरी करने से एक शतक दूर हैं। विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके घर में 10 अंतरराष्ट्रीय शतक बनाए हैं, विराट का एक और शतक उन्हें ब्रैडमैन की बराबरी पर ले आएगे जिन्होंने अपने पूरे करियर में प्रतिद्वंदि इंग्लैंड के खिलाफ उन्हीं के घर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 11 शतक बनाए हैं।

वेंकटेश नहीं रहाणे होंगे केकेआर के कप्तान

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इस बार आईपीएल नीलामी में ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर को 23.75 करोड़ रुपए में खरीदा है जिसके बाद माना जा रहा था कि वेंकटेश को कप्तानी मिलेगी। वहीं अब कहा जा रहा है कि मुंबई के रणजी ट्रॉफी कप्तान आजिंक्य रहाणे को ही केकेआर की कप्तानी मिलेगी। रहाणे को पिछले हफ़्ते जेद्दा में मेगा नीलामी में उनके आधारमूल्य 1.5 करोड़ रुपए में शामिल किया गया था। वहीं एक रिपोर्ट में कहा गया है कि रहाणे ही केकेआर के नए कप्तान होंगे। केकेआर ने उन्हें कप्तानी के लिए एक बेहतर विकल्प के तौर पर ही शामिल किया है। वेंकटेश को आईपीएल 2025 में टीम की कमान संभालने के लिए चुना गया था, वह टीम की गतिशीलता को समझते हैं, जहां उन्होंने चार साल बिताए हैं और मध्य प्रदेश के साथ फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित के कार्यकाल के दौरान उनके साथ काम किया है। केकेआर द्वारा वेंकटेश को फिर से साइन किए जाने के कुछ ही पल बाद उन्होंने कहा कि वह आने वाले आईपीएल सीजन में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा माना है कि कप्तानी सिर्फ एक टैग है, लेकिन नेतृत्व का मतलब ऐसा माहौल बनाना है जहां हर कोई महसूस करे कि वह इस टीम के लिए खेल सकता है और योगदान दे सकता है। अगर मुझे जिम्मेदारी दी जाती है, तो मैं इसे करने में बहुत खुश होऊंगा।

वेस्टइंडीज ने ग्रीव्स और आमिर को बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल किया

सेंट जॉन्स (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स और अनकैप्ड कीपर-बल्लेबाज आमिर जंगू को इसी माह 8 दिसंबर से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी टीम में शामिल किया है। वहीं स्पिनर हेडन वॉल्श जूनियर और युवा बल्लेबाज ज्वेल एंड्रयू को टीम से बाहर कर दिया है हालांकि इन दोनो ने घरेलू मैदान पर इंग्लैंड को 2-1 से हराया था। वहीं टीम में शामिल ग्रीव्स के पांच मैचों में 133.66 की औसत से तीन शतकों के साथ 401 रन और जंगू के सात मैचों में 89.20 की औसत से एक शतक और तीन अर्द्धशतकों के साथ 446 रन है। इन दोनों ने वेस्टइंडीज में घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बल पर टीम में जगह बनाई है। हाल ही में सुपर50 एकदिवसीस टूर्नामेंट में दोनों ने सबसे ज्यादा रन बनाये थे।

ग्रीव्स ने वेस्टइंडीज के लिए तीन टेस्ट और पांच एकदिवसीय मैच खेले हैं जबकि आमिर ने अभी तक अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू नहीं किया है। अनुभवी शाई होप एक बार फिर ब्रैंडन किंग के साथ सीरीज के दौरान वेस्टइंडीज की कप्तानी करेंगे, जबकि अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ और जेडन सील्स तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभालेंगे। वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी को भी इस सीरीज से काफी उम्मीदें है। उनका कहना है कि टीम चयन दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 को लेकर किया गया है। सैमी ने कहा, हम आईसीसी पुरुष 50 ओवर के विश्व कप को लेकिर अपनी तैयारियां कर रहे हैं, इसी कारण से हम सीरीज जीतने के साथ ही खिलाड़ियों के पूल को व्यापक बनाना चाहते हैं, खासकर घरेलू मैदान पर। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ जीत से भी हमारी उम्मीदें बढ़ी हैं।

वेस्टइंडीज की टीम

शाई होप (कप्तान), ब्रैंडन किंग (उपकप्तान), कीसी कार्टी, रोस्टन चेस, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रीव्स, शिमरॉन हेटमायर, आमिर जंगू (विकेट कीपर), अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, एविन लुईस, गुडाकेश मोटी, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड

बुमराह एंड कंपनी का सामना करने के लिए तैयार हैं ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज: एलेक्स कैरी

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने कहा कि उनकी टीम एकजुट है और उन्हें विश्वास है कि छह दिसंबर से यहां शुरू होने वाले दूसरे दिन रात्रि क्रिकेट मैच में उनके बल्लेबाज जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाले भारतीय आक्रमण का सामना करने के लिए बेहतर रणनीति के साथ मैदान पर उतरेंगे।

बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में आठ विकेट लेकर भारत की 295 रन से बड़ी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज इस मैच में नहीं चल पाए थे जिससे गेंदबाजों पर भी दबाव बढ़ा। कैरी ने कहा, 'वह (बुमराह) निश्चित तौर पर शानदार गेंदबाज हैं और वह पिछले कई वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। हमारे बल्लेबाज भी विश्वस्तरीय हैं और हमेशा समाधान निकालने के तरीके

ढूंढते हैं।'

उन्होंने कहा, 'हमने उसकी गेंदबाजी का आकलन किया है। उम्मीद है कि हम उसके पहले दूसरे स्पेल का सामना करने में सफल रहेंगे। हमने पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में देखा था कि किस तरह से ट्रैविस हेड ने जवाबी हमला किया था।' कैरी ने कहा, 'हमें अपने बल्लेबाजों पर पूरा भरोसा है। हम केवल बुमराह ही नहीं, उनके अन्य गेंदबाजों का सामना करने के लिए तरीका ढूंढ लेंगे। भारत पहले टेस्ट मैच में कुछ नए गेंदबाजों के साथ उतरा था और उन्होंने भी अच्छी गेंदबाजी की थी।'

ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 534 रन का असंभव लक्ष्य मिलने के बाद जोश हेजलवुड ने मीडिया को अपने बल्लेबाजों से यह पूछने के लिए कहा था कि उन्होंने दूसरी पारी के लिए क्या रणनीति बनाई है। इसके बाद बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच दरार की अफवाहें फैल गईं। कैरी ने हालांकि इस तरह की अफवाहों को खारिज कर दिया कि ऑस्ट्रेलिया के ड्रेसिंग रूम में किसी तरह का तनाव है।

उन्होंने कहा, 'अगर आप बल्लेबाजों से पूछें, तो हम सभी बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं और (एक क्रिकेटर के रूप में) आप शतक बनाने के लिए वहां जाते हैं और यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो मुझे लगता है कि आप कई बार निराश होते हैं।' कैरी ने कहा, 'लेकिन हमारी टीम एकजुट है। हम सभी को बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है और हम सभी बड़े स्कोर बनाने के लिए उत्सुक हैं और मुझे विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी ऐसा करने में सफल रहेंगे।'

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्मिथ अभ्यास के दौरान चोटिल हुए

एडीलेड । भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ होने वाले दूसरे किकेट टेस्ट मैच से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम खिलाड़ियों के चोटिल होने से परेशान है। ऑलराउंडर मिचेल मार्श और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के बाद अब बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भी अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गये। स्मिथ जैसे अनुभवी बल्लेबाज का चोटिल होना टीम के लिए करार झटका है। पहला टेस्ट पर्थ में खेला गया जिसे भारतीय टीम ने जीत लिया। इसके बाद अब दूसरा टेस्ट 6 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्मिथ साथी बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन से थ्रोडाउन का अभ्यास कर रहे थे तभी उनके दाहिने अंगूठे में चोट लग गई। इसपर स्मिथ ने बल्लेबाजी रोक दी और दर्द से कराहते नजर आए। इसके बाद उन्होंने लाबुशेन से बात की। ऑस्ट्रेलिया के मेडिकल स्टाफ के एक सदस्य ने आकर स्मिथ के अंगूठे की जांच की। फिर वह नेट से बाहर चले गए। हालांकि, कुछ ही समय बाद स्मिथ ने दूसरे नेट पर बल्लेबाजी शुरू कर दी और ऐसा नहीं लगा कि वह अधिक दर्द में हैं। ऐसे में ये संभव है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरे टेस्ट से पहले उनकी चोट का आंकलन करने के बाद उनके खेलने पर फैसला करे। स्मिथ पर्थ में पहली पारी में शून्य पर ही आउट हो गये थे जबकि दूसरी पारी में वह 17 रन ही बना पाये थे। अब दोनों टीमों के बीच गुलाबी गेंद से दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम का रिकॉर्ड गुलाबी गेंद से काफी अच्छा है। जिस कारण टीम इंडिया को सतर्क रहना होगा।

डॉन ब्रैडमैन की प्रतिष्ठित 'बैगी ग्रीन' नीलाम, लगी भारी भरकम बोली

सिडनी : ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डॉन ब्रैडमैन की भारत के खिलाफ 1947-48 की सीरीज की 'बैगी ग्रीन' टेस्ट कैप 390,000 डॉलर (2.14 करोड़ रुपए) में बिकी, जो नीलामी शुल्क के बाद बढ़कर 479,700 डॉलर (2.63 करोड़ रुपए) हो गई। यह कैप ब्रैडमैन द्वारा पहनी गई एकमात्र 'बैगी ग्रीन' माना जाता है, का ऐतिहासिक महत्व बहुत अधिक है। 1947-48 की सीरीज में ब्रैडमैन का प्रदर्शन असाधारण से कम नहीं था। घरेलू धरती पर अपनी अंतिम टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने 178.75 की औसत से सिर्फ छह पारियों में 715 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और एक दोहरा शतक शामिल था।

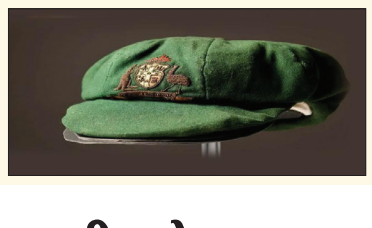

रोहित 5वें या छठे नंबर पर नहीं, शीर्ष क्रम पर ही उतरेंगे : हरभजन

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड टेस्ट में 5वें या छठे नंबर पर नहीं उतरेंगे। हरभजन के अनुसार रोहित जैसे अनुभवी खिलाड़ी के लिए इस क्रम पर आना टीम के लिए लाभदायक नहीं रहेगा। ऐसे में वे या तो पारी की शुरुआत करेंगे या फिर तीसरे नंबर पर उतरेंगे। रोहित पहले टेस्ट से बाहर थे। ऐसे में केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने पर्थ टेस्ट में पारी की शुरुआत करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। इस जोड़ी ने दूसरी पारी में पहले विकेट के लिए रिकॉर्ड 201 रन जोड़े थे। इसके बाद से ही कई पूर्व खिलाड़ियों ने कहा है कि सलामी जोड़ी को तोड़ना ठीक नहीं होगा और रोहित किसी और क्रम पर उतरें। इसी को लेकर हरभजन ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि रोहित 5वें या छठे नंबर पर आएंगे। वह यशस्वी के साथ पारी की आगाज करेंगे और राहुल तीसरे नंबर पर आएंगे या फिर वह तीसरे नंबर पर उतरेंगे। उन्होंने कहा कि रोहित के लिए बल्लेबाजी में छठा क्रम टीम के हित में नहीं होगा। बल्लेबाजी क्रम में आपके शीर्ष 4 खिलाड़ी 4 स्तंभ होने चाहिए और रोहित जैसे किसी खिलाड़ी के शीर्ष पर होने से टीम को और भी मजबूती मिलेगी। 5 मैचों की बॉर्डर गावस्कर सीरीज का दूसरा टेस्ट शुक्रवार से एडिलेड ओवल में शुरू होगा। यह दिन रात्रि टेस्ट होने के कारण गुलाबी गेंद से खेला जाएगा, ऐसे में इस मैच में बल्लेबाजों की कठिन परीक्षा होगी।

महिलाओं के पहले दृष्टिबाधित टी20 विश्व कप की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुल्तान में विश्व दृष्टिबाधित क्रिकेट परिषद (डब्ल्यूबीसीसी) की आम सालाना बैठक में अगले साल भारत में होने वाले शुरूआती दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप को 'हाइब्रिड मॉडल' के आधार पर कराने का फैसला लिया गया जिसमें पाकिस्तान अपने मैच नेपाल या श्रीलंका में खेलेगा। भारत ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान में पुरुष टी20 दृष्टिबाधित क्रिकेट विश्व कप से हटने का फैसला किया था और इसके कुछ हफ्ते बाद ही यह कदम उठाया गया।

महिलाओं के टूर्नामेंट की मेजबानी के अधिकार पिछले साल भारत को दिए गए थे और सोमवार को आम सालाना बैठक में इसकी पुष्टि की गई जिसमें 11 सदस्य देश मौजूद थे। भारत, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड

वर्चुअली बैठक में शामिल हुए। भारत में दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ (सीएबीआई) के अध्यक्ष जीके महनतेश ने कहा, 'टूर्नामेंट की मेजबानी का अधिकार पिछले साल (2023) ही भारत को दिया गया था। उस समय यह भी तय किया गया था कि अगर पाकिस्तान की टीम के भारत आने में वीजा की समस्या आती है तो टूर्नामेंट 'हाइब्रिड मॉडल' में आयोजित किया जाएगा। पाकिस्तान अपने सभी मैच तटस्थ स्थल पर खेलेगा।' यह पूछने पर कि पाकिस्तान के मैच कहां होंगे तो महनतेश ने कहा, 'पाकिस्तान की दृष्टिबाधित महिला टीम पूरे टूर्नामेंट के दौरान या तो नेपाल में या श्रीलंका में ही रहेगी। भारतीय टीम नेपाल या श्रीलंका में उनके खिलाफ खेलने के लिए जाएगी। पूरे टूर्नामेंट का खर्च हमारा क्रिकेट बोर्ड उठाएगा। हम इन दोनों देशों में से किसी एक में पाकिस्तानी टीम के रहने का पूरा खर्च वहन करेंगे।' सीएबीआई न ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड से और न ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से मान्यता प्राप्त है।

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड को लगा झटका, क्राइस्टचर्च टेस्ट के बाद 3-3 डब्ल्यूटीसी अंक गंवाए

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। क्राइस्टचर्च में पहले टेस्ट में धीमी ओवर गति के कारण इंग्लैंड और न्यूजीलैंड पर जुर्माना लगाया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को कहा कि दोनों टीमों पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) प्रतियोगिता के तीन अंक काटे गए हैं।

आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'आईसीसी के मैच रेफरी के एलीट पैनल के डेविड बून ने बेन स्टोक्स और टॉम लैथम की दोनों टीमों पर समय भत्ते को ध्यान में रखने के बाद लक्ष्य से तीन ओवर कम फेंकने के बाद यह जुर्माना लगाया।' खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर गति अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर उनके द्वारा आवंटित समय में गेंदबाजी नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

इसके अलावा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की खेल शर्तों के अनुच्छेद 16.11.2 के अनुसार प्रत्येक ओवर कम होने

पर टीम को एक अंक का दंड दिया जाता है। दोनों कप्तानों ने अपराध स्वीकार किया और प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी। मैदानी अंपायर अहसान रजा और रॉड टकर, तीसरे अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक और चौथे अधिकारी किम कॉटन ने आरोप लगाए। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट 8 विकेट से जीता और न्यूजीलैंड के अपने दूसरे डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने की संभावनाओं को कम कर दिया। हालांकि इंग्लैंड पहले ही हेगले ओवल में 8 विकेट की प्रभावशाली जीत के बावजूद अगले साल के फाइनल में पहुंचने की दौड़ से बाहर हो चुका है, लेकिन प्रतियोगिता के अंकों में कमी न्यूजीलैंड के लिए एक बड़ा झटका है, जो परिणामस्वरूप स्टैंडिंग में बराबर चौथे से सीधे पांचवें स्थान पर आ गया है।

न्यूजीलैंड का अब अंक प्रतिशत (पीसीटी) 47.92 प्रतिशत है और इंग्लैंड के खिलाफ अपने शेष दो मुकाबलों में जीत के साथ ही यह 55.36 प्रतिशत तक ही पहुंच सकता है। इसका मतलब है कि उद्घाटन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप विजेताओं को अगले साल जून 2025 में होने वाले एकमात्र टेस्ट के लिए क्वालीफाई करने के लिए कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ दो जीत और कई अन्य परिणाम भी उनके पक्ष में होने चाहिए यदि उन्हें लॉर्ड्स के निर्णायक मैच में पहुंचना है। वर्तमान में भारत 61.11 पीसीटी के साथ सबसे ऊपर है, जबकि पहले टेस्ट में श्रीलंका पर दक्षिण अफ्रीका की जीत ने उन्हें 59.26 पीसीटी के साथ दूसरे स्थान और 57.69 पीसीटी के साथ ऑस्ट्रेलिया को तीसरे स्थान पर रखा।

खेलो इंडिया योजना के तहत 2781 खिलाड़ियों की पहचान की गयी : मांडविया

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि खेलो इंडिया योजना के तहत पैरा एथलेटिक्स सहित 21 खेलों के 2781 खिलाड़ियों की पहचान की है और उन्हें खेलो इंडिया प्रतिभा विकास कार्यक्रम के हिस्से के रूप में आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है। मांडविया ने कहा, ''खेलो इंडिया योजना विशिष्ट दिशानिर्देशों और मानदंडों के आधार पर पैरा एथलेटिक्स सहित 21 खेलों में खिलाड़ियों का समर्थन करके अपने खेलो इंडिया प्रतिभा विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभा की पहचान करती है और उन्हें निखारती है।'' उन्होंने कहा, ''आज तक योजना के तहत 2781 खेलो इंडिया खिलाड़ियों (केआईए) की पहचान की गई है जिन्हें कोचिंग, उपकरण, चिकित्सा देखभाल और मासिक आउट ऑफ पॉकेट भत्ता (ओपीए) के माध्यम से सहायता प्रदान की जाती है।'' केआईए के रूप में पहचाने जाने वाले खिलाड़ी भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के तहत राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों के साथ-साथ अन्य मान्यता प्राप्त अकादमियों में प्रशिक्षण ले रहे हैं। मांडविया ने कहा कि यह कार्यक्रम भारत के खेल प्रतिभा पूल को मजबूत कर रहा है और वैश्विक मंच पर देश की बढ़ती सफलता में योगदान दे रहा है। मंत्री ने खेलो इंडिया खिलाड़ियों का ब्योरा भी दिया जिन्होंने 2022 हांगझोउ एशियाई खेलों और पेरिस ओलंपिक में भाग लिया और देश को गौरव दिलाया। उन्होंने कहा, ''चीन के हांगझोउ में 2022 एशियाई खेलों में 644 भारतीय खिलाड़ियों में से 124 केआईए थे और उन्होंने नौ स्वर्ण पदक सहित भारत के 106 पदक में से 42 जीतकर महत्वपूर्ण योगदान दिया।''

योगेश्वर ने विनेश और बजरंग पर निशाना साधा

सोनीपत। पहलवान योगेश्वर दत्त ने विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया पर निशान साधते हुए कहा है कि वे खेल का राजनीतिकरण न करें। वहीं नाडा के पहलवान बजरंग पूनिया को चार साल के लिए निलंबित करने के फैसले पर उन्होंने कहा कि डोप टेस्ट नहीं देने के लिए ही बजरंग पर कार्रवाई हुई है। डोप में फंसने पर भी यही कार्रवाई होती है। बजरंग ने डोप टेस्ट के लिए नमूना नहीं दिया, इसलिए कानून के दायरे में ही ये कार्रवाई हुई है। इसपर कोई सवाल नहीं उठा सकता। वहीं हरियाणा सरकार के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने बजरंग लेकर कहा कि नाडा कानून के हिसाब से काम करती है। इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस अपनी खेल नीति का आंकलन करे और फिर भाजपा की खेल नीति पर सवाल उठाए। साल 2013 से पहले क्या नीति थी और अब क्या नीति है। हरियाणा के खिलाड़ियों के लिए सरकार अच्छा काम कर रही है, हमें उम्मीद है कि हरियाणा के खिलाड़ी आगे भी अच्छे पदक लेकर आएंगे।

ईशान की कमी खलेगी : हार्दिक

मुंबई । मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसके पास किस प्रकार का कौशल है हम जानते हैइसलिए इस सत्र में हमें उसकी कमी खलेगी । पंड्या ने कहा कि जब हम उसे रिटेन नहीं कर पाये तभी समझ गये थे कि अब उसे हासिल करना संभव नहीं होगा। ईशान को आईपीएल 2025 के लिए हुई नीलामी में सनराइजर्स हैदराबाद ने 11.25 करोड़ रुपए में खरीदा है। मुंबई इंडियंस ने 3.20 करोड़ रुपये के बाद ईशान पर बोली लगाना बंद कर दिया था। किशन का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था। मुंबई इंडियंस के एक वीडियो में पंड्या ने ईशान को टीम की ताजगी और ऊर्जा बताया है। साथ ही कहा कि जब हम उसे रिटेन नहीं कर पाए तो हमें हमेशा पता था कि उसे नीलामी में फिर से प्राप्त करना कठिन होगा क्योंकि हम जानते थे कि वह किस तरह का खिलाड़ी है और उसके पास किस तरह का कौशल है। उसके टीम के साथ छह साल जुड़े रहने के दौरान ही मुंबई ने 2018-24 के बीच दो बार खिताब जीता। पंड्या ने कहा कि वह हमेशा ड्रेसिंग रूम को उत्साहित बनाये रखता था। यह प्यार और गर्मजोशी उसके लिए बहुत स्वाभाविक थी, हमें उसकी कमी खलेगी।

पिंक बॉल टेस्ट में भारत का रिकॉर्ड है बेहद खराब, ऑस्ट्रेलियाई खूंखार बल्लेबाजों से रहना होगा सावधान

एडिलेड (एजेंसी) भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 दिसंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत दूसरा टेस्ट मैच खेलना है। ये मैच एडिलेड में डे-नाइट होगा जो पिंक बॉल से खेला जाएगा। इससे पहले टीम इंडिया ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट को जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

वहीं पिंक बॉल टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों का रिकॉर्ड ज्यादा अच्छा नहीं रहा है। जबकि डे-नाइट में कंगारू बल्लेबाज ज्यादा खूंखार नजर आते हैं। पिंक बॉल टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम में कई शतकवीर मौजूद हैं जिनसे भारतीय टीम को बचकर रहना होगा।

अगर इतिहास की बात करे तों, अब तक 10 टीमों के बीच कुल 22 डे-नाइट टेस्ट मैच खेले गए हैं। इस दौरान कुल 27 शतक लगे हैं। इसमें भारत की ओर से महज 1 ही शतक लगा है। वो भी विराट कोहली के द्वारा नंवबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ लगाया गया है। कोलकाता में हुए उस टेस्ट में कोहली ने 136 रनों की पारी खेली थी।

वहीं डे-नाइट टेस्ट के मामले में टॉप पर ऑस्ट्रेलियाई टीम ही है। जिन्होंने अबतक 11 शतक लगाए हैं। कंगारू बल्लेबाजों ने अब तक पिंक बॉल टेस्ट में कुल 28 अर्धशतक बनाए हैं। इस मामले में पाकिस्तान भारत से आगे है, जिसके बल्लेबाजों ने 4 शतक जमाए हैं। न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाड़ी 3-3 शतक जमा चुके हैं। तो इंग्लैंड और श्रीलंका के नाम 2-2 ही दर्ज हैं।

मार्नस लाबुशेन के नाम सबसे ज्यादा रिकॉर्ड

डे-नाइट टेस्ट के इतिहास में ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मार्नस लाबुशेन टॉप पर हैं। जिन्होंने 4 शतक बनाए हैं उनके अलावा कंगारू टीम से ट्रेविस हेड ने 2 जबकि पीटर हैंड्सकॉम्ब, उस्मान ख्वाजा, शॉन मार्श, स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर ने 1-1 शतक लगा चुके हैं।

इनमें से भारतीय टीम के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में लाबुशेन, हेड, ख्वाजा और स्मिथ खेल रहे हैं। ऐसे में एडिलेड में होने वाला ये पिंक बॉल टेस्ट मैच में भारतीय खिलाड़ियों को संभलकर खेलना होगा। दूसरी ओर कंगारू टीम के लिए विराट कोहली मुश्किल बन सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फूड इंडस्ट्री में दें अपने भविष्य को उड़ान

कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें न सिर्फ तरह-तरह के पकवान खाना अच्छा लगता है, बल्कि वे अच्छे स्वाद को भी भली-भांति पहचान लेते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से एक हैं, जिन्हें विशिष्ट प्रकार के व्यंजनों से विशिष्ट लगाव है तो आप अपने इसी लगाव को अपना भविष्य बना सकते हैं। फूड इंडस्ट्री में विकल्पों की भरमार है। लीक से हटकर यह कॅरियर बेहद दिलचस्प होने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण भी है। आइए फूड इंडस्ट्री में मौजूद विकल्पों के बारे में जानें।

फूड क्रिटिक

मार्केट में कौन-से नए फूड प्रोडक्ट आए हैं, इससे लेकर किस रेस्तरां में कौन-से स्वादिष्ट व्यंजन मिलते हैं, इसकी पूरी जानकारी अपनी राइटिंग स्किल के जरिए लोगों तक पहुंचाना फूड क्रिटिक का महत्वपूर्ण काम होता है। फूड क्रिटिक खाने के टेस्ट के साथ ही रेस्तरां की सर्विस के बारे में भी पूरी जानकारी देते हैं। फूड क्रिटिक बनने के लिए विशिष्ट शैक्षणिक योग्यता की जरूरत नहीं होती लेकिन बैचलर डिग्री होनी जरूरी है। बशर्ते आपमें खाने का स्वाद पहचानने, उसे बनाने का तरीका जानने और लिखने की कला होनी चाहिए।

न्यूट्रीशनिस्ट

यदि आप फूड के बारे में वैज्ञानिक तौर पर काफी कुछ जानते हैं तो आप न्यूट्रीशनिस्ट बन सकते हैं। आपको यदि ज्यादा से ज्यादा फूड के बारें में जानकारी हैं कि कौन सा फूड कैसा असर करता है। मोटे होने के लिए क्या खाएं और पतले होने के लिए क्या खाएं। डायबीटिज में क्या खाना फायदेमंद है, हार्ट अटैक से बचने के लिए किन चीजों का सेवन करें या किन चीजों का ना करें, इस तरह की जानकारियां यदि आपकों अच्छी लगती हैं और आपकी इनमें गहरी रूचि है तो आप एक न्यूट्रीशनिस्ट के रूप में अपने कॅरियर को संवार सकतें है

फूड स्टाइलिस्ट

जितना खाने मे टेस्ट का होना जरूरी है, उतना ही खाने का बेहतर और क्रिएटिव दिखना भी जरूरी है। खाने को परोस कर देने का तरीका भी खाने को बेहतर बनाता है। अगर आप में यह स्किल है कि आप किसी भी तरीके के खाने को अच्छी तरह से सजाकर लोगों को उसकी ओर आकर्षित कर सकतें है तो आप फूड स्टाइलिस्ट बन सकतें है। इसकी भी काफी डिमांड है क्योंकि आजकल फाइव स्टार होटल और रेस्तरां में इनकी खासी कमी है। फूड स्टाइलिस्ट बनने के लिए आपका क्रिएटिव होना काफी जरूरी है।

कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट

सिर्फ फैशन की दुनिया में ही नहीं, बल्कि फूड इंडस्ट्री में भी ट्रेंड बदलते रहते हैं। कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट समय-समय पर फूड को लेकर ग्राहकों की बदलती पसंद या नापसंद की जानकारी अपने क्लाइंट तक पहुंचाते हैं। किस रेस्तरां में कौन-कौन से आइटम परोसे जा रहे हैं। किस रेस्तरां की किस खास चीज को लोग ज्यादा पसंद कर रहे हैं, ये सारी जानकारियां जुटाने का काम कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट का ही है। वे फूड इंडस्ट्री में होने वाले बदलावों को जानने के लिए फूड ब्लॉगर्स पर भी अपनी नजर बनाए रखते हैं।

प्रमुख कोर्स

- केटरिंग टेक्नोलॉजी और कलिनरी ऑर्ट्स में बैचलर डिग्री
- फूड प्रोडक्शन में क्राफ्ट सर्टिफिकेट कोर्स
- फूड और बेवरेज सर्विस में डिप्लोमा
- बेकरी और कनफेक्शनरी में डिप्लोमा
- किचन मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- गेस्ट सर्विस मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- हाउसकीपिंग मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- कलिनरी आर्ट्स में एडवांस डिप्लोमा
- कलिनरी आर्ट्स में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- हॉस्पिटैलिटी एडमिनिस्ट्रेशन में एमएससी
- डाइअटेटिक्स और फूड सर्विस मैनेजमेंट में एमएससी

फूड फोटोग्राफर

जिन लोगो को खाना काफी पसंद है और वे कुछ क्रिएटिव करना चाहतें हैं तो वे इन चीजों के साथ फूड फोटोग्राफी भी कर सकते हैं। फूड फोटोग्राफी वर्तमान में एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन बनकर सामने आया है, जिसकी ओर युवा काफी आकर्षित भी हैं। बतौर फूड फोटोग्राफर आप किसी भी रेस्तरां या मैगजीन के लिए काम कर सकते हैं।

रेस्तरां प्रचारक

किसी रेस्तरां या होटल को फूड ब्लॉगर, मीडिया हाउसेस, मैगजीन या टीवी शो प्रोड्यूसर के माध्यम से आम लोगों के बीच लोकप्रिय बनाने की जिम्मेदारी रेस्तरां प्रचारक की होती है। इनका अहम मकसद ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को अपनी रेस्तरां की तरफ आकर्षित करना है।

स्कूल साइकोलॉजी की दुनिया में तराशें रोजगार

आजकल कुछ स्कूलों में मनोवैज्ञानिक या परामर्शदाता की नियमित व्यवस्था की जाती है। यह व्यवस्था विद्यार्थियों और अध्यापकों दोनों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई है। मनोविज्ञान अपनी पूर्णता में एक ऐसा क्षेत्र है, जहां करियर से जुड़े अनेक विकल्प हैं। स्कूल साइकोलॉजी इसकी महत्वपूर्ण शाखाओं में एक है। स्कूलों में बढ़ते अपराधों को देखते हुए अब स्कूल साइकोलॉजिस्ट की मांग तेजी से बढ़ रही है।

कूल साइकोलॉजिस्ट किसी भी स्कूल की टीम के मुख्य सदस्य होते हैं, जो शैक्षिक मनोविज्ञान, बाल मनोविज्ञान, नैदानिक मनोविज्ञान और सामुदायिक मनोविज्ञान के सिद्धांतो का पालन कर छात्रों में सीखने की क्षमता और अध्यापकों में सिखाने की क्षमता का विकास करते हैं। स्कूल मनोवैज्ञानिक बच्चों के भावनात्मक, व्यवहारिक, और शैक्षिक जरूरतों का अध्ययन कर उनकी समस्याओं का हल करने का हरसंभव प्रयास करते हैं। अगर आपकी रुचि बच्चों के मनोभाव को जानने और उनके डिप्रेशन को दूर करने की दिशा में है तो आप स्कूल साइकोलॉजिस्ट का कॅरियर चुन सकते हैं। आजकल बच्चे सबसे ज्यादा डिप्रेशन का शिकार होते हैं। यही वजह है कि इस क्षेत्र में कॅरियर की भरपूर संभावनाएं पैदा हो रही हैं। ऐसे में आप साइकोलॉजिकल काउंसलिंग करके बच्चों के भविष्य को खराब होने से बचा सकते हैं।

स्कूल साइकोलॉजिस्ट के कार्य

- स्कूल मनोवैज्ञानिक बच्चों के विकास की विशेषताओं को समझने में शिक्षक की सहायता करता है।
- प्रत्येक छात्र विकास की कुछ निश्चित अवस्थाओं से गुजरता है जैसे शैशवास्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था और प्रौढ़ावस्था। विकास की दृष्टि से इन अवस्थाओं की विशिष्ट विशेषताएं होती हैं। यदि शिक्षक इन विभिन्न अवस्थाओं की विशेषताओं से परिचित होता है तो वह अपने छात्रों को भली प्रकार समझ सकता है और छात्रों को उसी प्रकार निर्देशन देकर उनको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता कर सकता है। इस बारे में पूर्ण जानकारी भी स्कूल साइकोलॉजिस्ट ही टीचर को देता है।
- बच्चों के नेचर को जानने की कोशिश करता है।
- शिक्षा की प्रकृति एवं उद्देश्यों को समझने में सहायता प्रदान करता है।
- बच्चों की वृद्धि और विकास के बारे में शिक्षकों को ज्ञान देता है।

- बच्चों के अच्छे समायोजन में मदद करता है और कुसमायोजन से बचाता है।
- स्कूल मनोवैज्ञानिक कुछ खास बच्चों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी शिक्षक को देता है, जिससे शिक्षक उन बच्चों को अपनी क्लास में पहचान सकें और उनकी आवश्यकतानुसार मदद कर सकें। उनके लिए विशेष कक्षाओं का आयोजन कर सकें और फिर उन्हें परामर्श दे सकें।
- मानसिक रूप से स्वस्थ बच्चों के लक्षणों को पहचानना और ऐसा प्रयास करना कि उनकी इस स्वस्थता को बनाए रखा जा सके, यह कार्य भी स्कूल साइकोलॉजिस्ट का ही होता है।

शैक्षणिक योग्यता

आप किसी भी विषय में इंटरमीडिएट पास करने के बाद साइकोलॉजी विषय में ग्रेजुएशन कर सकते हैं। आम तौर पर इसमें बैचलर ऑफ आर्ट्स यानी बीए की डिग्री दी जाती है लेकिन अगर आपने साइंस से इंटर पास किया है तो साइकोलॉजी में बीएससी ऑनर्स भी कर सकते हैं। फिर पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद पीएचडी या एमफिल किया जा सकता है।

कहां काम करते हैं स्कूल साइकोलॉजिस्ट

- पब्लिक और प्राइवेट स्कूल
- यूनिवर्सिटीज
- स्कूल आधारित स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य केंद्र
- कम्यूनिटी आधारित डे ट्रीटमेंट या आवासीय क्लीनिक और अस्पताल
- बाल न्याय केंद्र
- प्राइवेट प्रैक्टिस

पर्सनल स्किल

- बेहतर कम्युनिकेशन स्किल
- धैर्य और सहजता
- सभी उम्र के लोगों के साथ काम करने की कला
- आत्मविश्वास
- क्लाइंट को संतुष्ट करने की योग्यता
- लोगों की मदद करने का पैशन
- काम के प्रति लगाव
- संवेदनशीलता
- सहानुभूति की भावना

कहां से करें पढ़ाई

- लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर विमन
- जीसस एंड मैरी कॉलेज
- प्रेसिडेंसी कॉलेज, चेन्नई
- क्रिस्ट यूनिवर्सिटी, क्रिस्ट कॉलेज
- सोफिया कॉलेज फॉर विमन
- कमला नेहरु कॉलेज फॉर विमन
- मिठिबाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स
- यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- गार्गी कॉलेज
- जय हिंद कॉलेज
- जामिया मिलिया इस्लामिया
- ज्योति निवास कॉलेज
- विल्सन कॉलेज, मुंबई
- एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर
- यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ
- आशुतोष कॉलेज
- नेयानल डिग्री कॉलेज, जया नगर
- भीम राव अम्बेडकर कॉलेज

प्रेजेंटेशन स्किल्स से मिलेगी कामयाबी

प्रेजेंटेशन में सामने वाले को बोर नहीं, बल्कि इंप्रेस करें। तब आपको कामयाबी मिलेगी। सबसे असरदार कंटेंट भी बिल्कुल बेअसर हो जाता है, जब प्रेजेंटर का स्टाइल उसके अनुरूप न हो। कई लोग प्रेजेंटेशन के दौरान नर्वस हो जाते हैं, जिसका असर उनके बोलने और बॉडी लैंग्वेज पर पड़ता है। यही कुछ रुकावटें हैं, जिन पर काबू पाना जरूरी होता है। आत्मविश्वास बढ़ने के साथ-साथ यह कमियां दूर हो जाती हैं और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अभ्यास, लचीलापन और अपने कंटेंट की गहरी जानकारी बेहद जरूरी होती है।

कटेंट पर ध्यान दें

आपके पास पहले से रोचक, संपूर्ण और सबका ध्यान खींचने वाला कंटेंट होना चाहिए। साथ ही उस मैटेरियल को सबके सामने रखने का आत्मविश्वास भी जरूरी है। अपने माहौल की समझ के साथ-साथ आपको यह ध्यान रखना भी आवश्यक होता है कि आपके संदेश का असर अधिकाधिक लोगों तक पहुंचे। वहीं अपने कंटेंट को तैयार करना इस पर भी निर्भर करता है कि आप किस किस्म की प्रेजेंटेशन देने जा रहे हैं। फिर भी जरूरी है कि आप मुख्य बिंदुओं की पहचान कर लें। यह जरूरी नहीं होता कि प्रत्येक डिटेल श्रोताओं के सामने रखी जाए।

स्टाइल पर ध्यान दें

प्रेजेंटर का स्टाइल ही एक अच्छे प्रेजेंटेशन के लिए जरूरी होता है। इसलिए अपनी स्टाइल और बात करने के तरीके पर खास ध्यान दें।

पूरी जानकारी दें

बेहतर प्रेजेंटेशन दर्शकों को विषय के बारे में अतिरिक्त जानकारी देती है, इसलिए जरूरी है कि विषय की आउटलाइन से शुरुआत की जाए। श्रोताओं को बताएं कि आप क्या विषय उठाना चाहते हैं, ताकि उनकी अपेक्षाएं शुरू में ही स्पष्ट हो जाएं। इससे विषय के प्रति कौतुहल भी बना रहता है।

उदाहरण से बनेगी बात

एक अन्य तथ्य यह है कि प्रेजेंटेशन की शुरुआत और अंत जोरदार तरीके से हो। यदि शुरुआत में आप श्रोताओं का ध्यान नहीं खींच पाते है तो यह आपके पक्ष में नहीं जाता। साथ ही बीच-बीच में रोचक उदाहरण देना भी जरूरी होते हैं।

सुनने वाले के बारे में जानें

आपको सुनने वालों के बारे में सबसे पहले पता लगाना चाहिए कि वे कौन हैं? इसके बाद यह जानना जरूरी होता है कि प्रेजेंटेशन से वे क्या चाहते हैं? उनके लिए क्या सूचना नई होगी और क्या पुरानी? क्या उनकी कुछ विशेष जरूरतें हैं, जिनका आपको ध्यान रखना चाहिए? इसके लिए जरूरी है कि अपनी प्रेजन्टेशन की आउटलाइन आपको स्पष्ट हो। दरअसल, आपको सुनने वाले यदि संतुष्ट होते हैं तो समझिए कि आपकी प्रेजेंटेशन सफल रही।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लखनऊ एयरपोर्ट पर कैमिकल में डूबा नवजात का शव बरामद

-पार्सल से भेजा जा रहा था मुंबई, स्कैनिंग में पकड़ाया, कूरियर एजेंट गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर मंगलवार सुबह कैमिकल में डूबोकर पार्सल किया जा रहा नवजात का शव बरामद किया गया है। इसका खुलासा स्कैनिंग के दौरान हुआ। उक्त शव को नवी मुंबई भेजा जा रहा था। पुलिस ने इस मामले में एक एजेंट को गिरफ्तार किया है, जिससे पूछताछ के बाद ही मामले का खुलासा हो सकेगा। जानकारी अनुसार लखनऊ एयरपोर्ट में कूरियर के एक डिब्बे में एक महीने के नवजात का शव बरामद किया गया है। नवजात के शव की जानकारी कार्गो के सामान की स्कैनिंग के दौरान हुई। उक्त शव प्लास्टिक के डिब्बे में पैक किया गया था, जिसके अंदर लिक्विड भरा हुआ था। इस मामले में पुलिस का कहना है कि कूरियर सर्विस के जरिए पार्सल के तौर पर नवजात के शव को नवी मुंबई भेजा जा रहा था। जांच में मालूम चला है कि उक्त कूरियर को हजरतगंज स्थित इंदिरा आईवीएफ हॉस्पिटल से चंदन यादव नामक व्यक्ति द्वारा बुक कराया गया था। पुलिस अब इस जांच में जुटी है कि आखिर नवजात के शव को कैमिकल में रखकर कूरियर क्यों किया गया। इसी बीच कूरियर एजेंट शिव बरन को सीआईएसएफ ने पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया है। यह पार्सल इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2238 के जरिए लखनऊ से मुंबई भेजने का प्रयास किया गया। लखनऊ एयरपोर्ट पर बुक पार्सल की जब स्कैनिंग की गई तो उसमें नवजात का शव डिटेक्ट हुआ। इसके बाद कार्गो कर्मचारियों ने पैकेट खोलकर देखा तो उसमें बच्चे का शव मिला। इसके बाद कार्गो कर्मचारियों ने फौरन ही सीआईएससफ और पुलिस को सूचना दे दी। मामले की जांच की जा रही है।

श्रद्धालुओं से भरी बस ट्राले की टक्कर से पलटी, 27 घायल, कई गंभीर

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले के चौरई इलाके में अयोध्या से लौट रही श्रद्धालुओं से भरी बस पलटने से 27 लोग घायल हो गए, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह घटना चौरई के केंद्रीय विद्यालय के पास घटित हुई, जहां सामने से आ रहे एक ट्राले ने बस को साइड से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बस पलट गई और उसमें सवार लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया। घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। छिंदवाड़ा एडिशनल एसपी के मुताबिक 27 नवंबर को श्रद्धालु अयोध्या गए थे। वहां से दर्शन कर वापस लौट रहे थे तभी मंगलवार सुबह यह हादसा हो गया। घायलों में कुछ की हालत गंभीर है, जिनका अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि ट्राले की टक्कर के कारण बस पलटी। बस और ट्राले के चालकों से पूछताछ की जा रही है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने भी रेस्क्यू में प्रशासन की मदद की। प्रशासन ने वाहन चालकों से सावधानीपूर्वक ड्राइविंग करने की अपील की है।

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से अब राहत मिलने की उम्मीद : आईएमडी

- दिसंबर के दूसरे सप्ताह में पहाड़ों पर अच्छी बारिश और बर्फबारी की संभावना

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की वजह से लोगों की सेहत खतरे में थी, लेकिन मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार हवा की गति में बदलाव आने की संभावना है। आने वाले चार दिनों में हवा की गति में तेज़ी आने से प्रदूषण में कमी हो सकती है। दिल्ली के लोगों के लिए खुशखबरी है कि दिसंबर के दूसरे सप्ताह में पहाड़ों पर अच्छी बारिश और बर्फबारी की संभावना है। इससे ठंडाई हवा का असर महसूस होगा। यह बारिश दिल्ली-एनसीआर के साथ ही हरियाणा, पंजाब, उत्तरी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र में भी महसूस होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि बर्फबारी के बाद तापमान और भी गिर सकता है और दिल्ली-एनसीआर में ठंड का असर और भी महसूस होगा। दिल्ली में मंगलवार का न्यूनतम तापमान 13.05 डिग्री और अधिकतम तापमान 27.77 डिग्री रहने की संभावना है। नमी का स्तर 26 फीसदी है और हवा की गति 26 किमी प्र?ति घंटा है। बुधवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 19.68 डिग्री और अधिकतम तापमान 27.18 डिग्री की संभावना है। नमी का स्तर कल 22 फीसदी रह जाएगा। इससे साफ है कि दिल्ली के लोगों के लिए ठंडक और बर्फबारी की संभावनाएं बढ़ गई हैं। साथ ही हवा की गति में बदलाव आने की संभावना है, जिससे प्रदूषण में भी कमी हो सकती है और लोगों को साँस लेने में आसानी होगी।

युवक की हरकतों से हुआ शक, पूछताछ में हुआ फर्जीवाड़े का खुलासा

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन के काउंटर पर मौजूद अफसर के सामने करीब एक 24 साल का युवक खड़ा हुआ है। इस युवक के चेहरे पर एक अजीब सी मुस्कान है, जिसकी मदद से वह अपनी हिचक और डर को छिपाने की कोशिश कर रहा था। शुरूआत में इमिग्रेशन अफसर को लगा कि शायद पहली हवाई यात्रा की वजह से युवक घबरा रहा हो। लिहाजा, उसे कंफर्ट करने के इरादे से वह थोड़ा मुस्कुराए और पासपोर्ट लेने के लिए हाथ आगे बढ़ा दिया।डॉक्यूमेंट स्क्रूटनी के बीच में ही इमिग्रेशन अफसर ने हिंदी में पूछ लिया... आपको किस काम से ताशकंद जा रहे हैं। इमिग्रेशन अफसर का सवाल सुनने के बावजूद यह युवक शून्य भाव के साथ खड़ा रहा। इमिग्रेशन अफसर ने अपना सवाल दोहराया, लेकिन इस बार भी जवाब नहीं आया। इस प्रतिक्रिया पर इमिग्रेशन अफसर का माथा ठनका कि कोलकाता से चंद किलोमीटर दूर स्थित सिंगूर में रहने वाले शख?स को इतनी हिंदी भी नहीं आती। लिहाजा, इस युवक से गहन पूछताछ शुरू की गई। तलाशी के दौरान इसके मोबाइल से बांग्लादेशी पासपोर्ट का बायोडाटा पेज बरामद किया गया, जिसमें इसका नाम टीटू दर्ज था। बांग्लादेशी पासपोर्ट का बायोडाटा पेज सामने आते ही सारा राज खुल कर सामने आ गया।

राजनीति में कोई संतुष्ट नहीं होता, मुख्यमंत्री डरा-डरा रहता है न जाने कब हाईकमान हटा दे

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मुख्यमंत्री के पद और राजनैतिक संतुष्टि को लेकर बड़ा बयान दिया है। यहां आयोजित एक पुस्तक के विमोचन समारोह में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हमेशा ही डरा और सहमा रहता है। उसके भीतर डर बना रहता है कि न जाने कब हाईकमान उसकी छुट्टी कर दे। जहां तक राजनीति का सवाल है तो यहां कोई भी संतुष्ट नहीं होता है। गडकरी ने कहा है कि राजनीति असंतुष्ट आत्माओं का सागर है, जहां हर व्यक्ति दुखी है और अपने वर्तमान पद से ऊंचे पद की आकांक्षा रखता है। नागपुर में जीवन के 50 स्वर्णिम नियम नामक पुस्तक के विमोचन के अवसर पर गडकरी ने कहा कि जीवन समझौतों, बाध्यताओं, सीमाओं और विरोधाभासों का खेल है।

मंत्री ने राजस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम को याद करते हुए कहा कि राजनीति असंतुष्ट आत्माओं का सागर है, जहां हर व्यक्ति दुखी है... जो पार्षद बनता है वह इसलिए दुखी होता है क्योंकि उसे विधायक बनने का मौका नहीं मिला और विधायक इसलिए दुखी होता है क्योंकि उसे मंत्री पद नहीं मिल सका।

भाजपा नेता ने कहा, जो मंत्री बनता है वह इसलिए दुखी रहता है कि उसे अच्छा मंत्रालय नहीं मिला और वह मुख्यमंत्री नहीं बन पाया तथा मुख्यमंत्री इसलिए तनाव में रहता है क्योंकि उसे नहीं पता कि कब आलाकमान उसे पद छोड़ने के लिए कह देगा। उन्होंने कहा कि जीवन में समस्याएं बड़ी चुनौतियां पेश करती हैं और उनका सामना करना तथा आगे बढ़ना ही जीवन जीने की कला है।

खास बात है कि यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। विधानसभा चुनाव में बंपर जीत के बाद भी महायुति अब तक सीएम नहीं चुन सकी है। खबरें हैं कि भाजपा मुख्यमंत्री पद अपने पास रखेगी। वहीं, दो अन्य दल एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के खाते में डिप्टी सीएम आ सकते हैं। फिलहाल, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता ने कहा कि चाहे व्यक्ति पारिवारिक, सामाजिक, राजनीतिक या कॉरपोरेट जीवन में हो, जीवन चुनौतियों और समस्याओं से भरा है और व्यक्ति को उनका सामना करने के लिए जीवन जीने की कला को समझना चाहिए। गडकरी ने कहा कि उन्हें अपने राजनीतिक जीवन में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की आत्मकथा का एक उद्धरण याद है, जिसमें कहा गया है, कोई व्यक्ति तब खत्म नहीं होता जब वह हार जाता है। वह तब खत्म होता है जब वह हार मान लेता है।

बांग्लादेश में हिंसा : भारत के पर्यटक पर भीड़ ने किया हमला

- अंतरराष्ट्रीय समुदाय सकारात्मक कदम उठाने की कर रहे मांग

कोलकाता। पड़ोसी देश बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के अपदस्थ होने के बाद शुरू हुई हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। खासतौर पर अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हो रही हमलों की एक और घटना सामने आई है, जिसमें एक भारतीय पर्यटक भी शिकार हो गए। पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले के बेलघोरिया के निवासी एक पर्यटक ने बताया कि बांग्लादेश में घूमने के दौरान उन पर एक ?हिंसक भीड़ ने हमला किया। उन्हें पहचान के आधार पर हमला किया गया, जब पता चला कि वे भारत से हैं और हिंदू हैं। गहरी चोटें खाकर भारत लौटने की कोशिश करते हुए भारतीय पर्यटक की हालत बहुत खराब हो गई। उन्होंने एंबुलेंस को बुलाया, लेकिन पुलिस ने पहचान पूछी, जिससे मेडिकल सहायता में देरी हुई। बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय सकारात्मक कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने हिंसा को रोकने का आश्वासन दिया है, लेकिन वास्तविकता में कार्रवाई की ज़रूरत है। भारत सरकार से भी बड़े स्तर पर इस मामले में कदम उठाने की मांग है, ताकि इस त्रासदी को रोका जा सके और बांग्लादेश के लोगों को सुरक्षित रहने में मदद मिले।

इसरो श्रीहरिकोटा से प्रोबा-3 मिशन आज करेगा लॉन्च

`* रॉकेट की ऊंचाई 145.99 फीट और वजन 320 टन होगा

मुंबई (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 4 दिसंबर यानी बुधवार को यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ईएसए) के प्रोबा-3 मिशन को लॉन्च करेगा। इस मिशन को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर के लॉन्च पैड से पीएसएलवी-एक्सएल रॉकेट द्वारा लॉन्च किया जाएगा। लॉन्च का समय शाम 4:08 बजे है,

पीएसएलवी-सी59 रॉकेट की यह उड़ान पीएसएलवी रॉकेट की 61वीं उड़ान होगी, और पीएसएलवी-एक्सएल की 26वीं उड़ान होगी। रॉकेट की ऊंचाई 145.99 फीट और वजन 320 टन होगा। लॉन्च के 26 मिनट बाद, यह रॉकेट प्रोबा-3 सैटेलाइट को 600 गुणा 60,530 किमी की अंडाकार कक्षा में भेजेगा। यह मिशन दुनिया का पहला प्रेसिशन फॉर्मेशन फ्लाइंग सैटेलाइट है, जिसमें दो सैटेलाइट्स शामिल होंगे।

कोरोनाग्राफ स्पेसक्राफ्ट यह सैटेलाइट सूरज की तरफ मुंह करके खड़ा होगा और सूर्य के बाहरी और अंदरूनी कोरोना के बीच के गैप का अध्ययन करेगा। इसमें एएसपीआईआईसीएस और 3डीईईएस जैसे उपकरण होंगे। ऑक्लटर स्पेसक्राफ्ट यह सैटेलाइट कोरोनाग्राफ के पीछे रहेगा और सूर्य के कोरोना से संबंधित डेटा का अध्ययन करेगा। इसमें डीएडीए होगा। प्रोबा-3 मिशन का मुख्य उद्देश्य सूरज के कोरोना की स्टडी करना है, खासकर उसके हाई कोरोना और लो कोरोना के बीच के गैप की स्टडी करना। यह मिशन सूरज के सोलर हवाओं और कोरोनल मास इजेक्शन के बारे में अहम जानकारी देगा, जिससे वैज्ञानिक सौर मौसम और सौर हवाओं की बेहतर समझ हासिल कर सकेंगे। इस मिशन के जरिए वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश करेंगे कि सूरज का डायनेमिक्स हमारी पृथ्वी पर किस प्रकार असर डालता है, और कैसे सूरज के बदलाव हमारे वातावरण और अंतरिक्ष मौसम को प्रभावित कर सकते हैं। प्रोबा-3 मिशन इसरो के लिए एक अहम कदम है और इसरो के लिए यह एक नई उपलब्धि भी होगी, क्योंकि इससे अंतरिक्ष और सौर अनुसंधान को नई दिशा मिलेगी।

क्या रॉबर्ट वाड्रा करेंगे राजनीति में एंट्री, वीडियो शेयर कर कहा-मैं जल्द ज्वाइंन करूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायनाड सांसद प्रियंका गांधी के पति और गांधी परिवार के दामाद रॉबर्ट वाड्रा जल्द राजनीति में एंट्री कर सकते हैं। टीवी न्यूज चैनल से बातचीत का एक पुराना वीडियो को शेयर किया है। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस वीडियो के साथ कैप्शन में रॉबर्ट वाड्रा ने लिखा- मैं जल्द ज्वाइंन करूंगा। वीडियो में रॉबर्ट वाड्रा से पूछा गया आप इतना काम करते हैं। सोशल वर्क करते हैं। चुनावी राजनीति में हम रॉबर्ट वाड्रा को देखेंगे क्या? क्योंकि मैडम तो आ ही गई हैं। इसपर रॉबर्ट वाड्रा ने कहा- अभी जो जनता चाहेगी वही होगा। मेरे चाहने से कुछ नहीं होगा। ये प्रियंका गांधी का समय है। मेरा समय नहीं है। मैं प्रियंका के लिए करूंगा। अपने लिए बाद में करूंगा। मैं बहुत खुश हूं कि वायनाड के लोगों ने उन्हें चुनकर सांसद बनाया है।

बता दें प्रियंका गांधी हाल ही में वायनाड से रिकॉर्ड तोड़ मतों से जीतकर लोकसभा सांसद चुनी गई हैं। इससे पहले लोकसभा चुनाव के दौरान रॉबर्ट वाड्रा अमेठी सीट से चुनाव लड़ने का दावा कर चुके हैं। हालांकि कांग्रेस पार्टी ने तब उन्हें टिकट नहीं दिया था। ऐसे में अब देखना है कि वाड्रा का यह बयान कितना सही साबित होता है। बीजेपी पहले ही कांग्रेस पर परिवारवाद का आरोप लगाती रही है।

अगर ऐसा होता है तो बीजेपी को बैठे-बिठाए मुद्दा मिल जाएगा। रॉबर्ट वाड्रा पहले भी कई बार भविष्य में राजनीति में आने की बात कह चुके हैं लेकिन अभी तक इसका औपचारिक ऐलान नहीं हुआ है। उधर, राजनीतिक पंडित कई बार यह साफ कह चुके हैं कि राहुल गांधी नहीं बल्कि प्रियंका गांधी कांग्रेस पार्टी की अगली उत्तराधिकारी साबित हो सकती हैं। ऐसे वक्त पर रॉबर्ट वाड्रा की एंट्री राजनीति में होती है तो पार्टी को इसका नुकसान होना तय है। इसके बावजूद रॉबर्ट वाड्रा अपनी राजनीति को चमकाने में जुटे हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा के लोकसभा की सदस्यता ग्रहण करने पर रॉबर्ट वाड्रा ने कहा था कि प्रियंका के सांसद बनने से मेरा सपना हुआ पूरा। मैं भी सक्रिय राजनीति के लिए तैयार हूं। कांग्रेस जब चाहेगी तब मैं भी राजनीति में आ जाऊंगा। बीजेपी जिन मुद्दों को छुपाती है, उन सवालों को प्रियंका संसद में उठाएंगी। एजेंसियों के दुरुपयोग और महिलाओं से जुड़े मसले को प्रियंका गांधी उठाएंगी।

फडणवीस को लेकर शिंदे के 'नखरे' के पीछे 'दिल्ली में बैठी महाशक्ति' : संजय राउत

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत ने स्पष्ट रूप से भाजपा नेतृत्व की ओर इशारा करते हुए दावा किया कि महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ''दिल्ली में बैठी महाशक्ति'' के समर्थन से भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस को लेकर ''नखरे'' और नाराजगी दिखा रहे हैं। नयी दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने महाराष्ट्र में सरकार गठन में हो रही देरी को अराजकतापूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित हुए 10 दिन से अधिक हो गए हैं, लेकिन किसी भी पार्टी या गठबंधन ने न तो सरकार बनाने का दावा पेश किया है और न ही अपने विधायकों की सूची दी है। राउत ने कहा कि राज्यपाल ने अभी तक किसी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित नहीं किया है, लेकिन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने शपथ ग्रहण की तारीख घोषित कर दी है, जो आजाद मैदान में होगी। राज्यसभा सदस्य ने कहा, ''मुझे लगता है कि एकनाथ शिंदे के नखरे और देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ नाराजगी के पीछे दिल्ली में बैठी कोई 'महाशक्ति' है। महाशक्ति के समर्थन के बिना एकनाथ शिंदे ऐसा कुछ करने की हिम्मत नहीं कर सकते। दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों को नखरे दिखाने की हिम्मत किसी में नहीं है।'' महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 132 सीट जीती हैं, ऐसे में फडणवीस को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे देखा जा रहा है। भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के महायुति गठबंधन द्वारा 288 विधानसभा सीट में से 230 सीट जीतने के बावजूद, राज्य में सरकार का गठन होना बाकी है।

सुरक्षा बढ़ाने का ड्रामा, करीबियों ने ही रची स्क्रिप्ट, पप्पू यादव धमकी मामले में बड़ा खुलासा, सांसद ने किया इनकार

पटना (एजेंसी)। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जान से मारने की धमकी मिलने की खबर पिछले दिनों चर्चा में रही। अब पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार किया है। हालांकि, पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार शख्स ने पूरे घटना को लेकर बड़ा खुलासा किया है। पूछताछ में पता चला कि यह षड़यंत्र सांसद के करीबी लोगों ने रचा था। गिरफ्तार व्यक्ति ने इस बात को स्वीकार किया है कि सांसद के कुछ करीबी लोगों ने उसे सुरक्षा मुहैया कराने के लिए वीडियो बनाने और धमकाने को कहा था। आरोपी को पार्टी में पद देने का प्रलोभन भी दिया गया।

फिलहाल, मामले की आगे जांच हो रही है। गिरफ्तार व्यक्ति का नाम राम बाबू यादव है। वह पहले पप्पू यादव का करीबी भी रहा है और पार्टी का सदस्य भी रहा है। हालांकि, लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से उसका कोई संबंध नजर नहीं आ रहा है। लेकिन पप्पू यादव ने इससे साफ तौर पर इनकार किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि माननीय नीतीश कुमार, आपकी पुलिस मानसिक रूप से दिवालिया हो गई है। वह वही व्यवहार कर रही है

जो दिवंगत कांग्रेस विधायक हेमंत शाही जी को गोली लगने पर तत्कालीन सरकार और प्रशासन ने किया था। उनपर घायल होने की नौटंकी का आरोप लगाया, बाद में इलाजरत हेमंत जी की मृत्यु हो गई थी! पुनः वही हो रहा है।

उन्होंने एक अन्य ट्वीट में लिखा कि 6 लोगों ने अबतक जान से मारने की धमकी दिया। मलेशिया,पाकिस्तान,नेपाल से धमकी मिली है,उस पर अबतक कार्रवाई क्यों नहीं। अगर किसी ने पैसा देकर धमकी दिलाया है तो पुलिस उसके नाम का खुलासा कर गिरफ्तार करे! पुलिस किसी के इशारे पर मेरी सुरक्षा से खेल रही है, झूठ फैला हत्यारों को शह दे रही है। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग की हिट लिस्ट में शामिल बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय लोकसभा सांसद पप्पू यादव को एक और जान से मारने की धमकी मिली है।

व्हाट्सएप के जरिए दी गई यह चेतावनी पाकिस्तान से जुड़े एक नंबर से आई थी, जिसमें धमकी दी गई थी कि यादव को अगले 24 घंटों के भीतर मार दिया जाएगा। संदेश भेजने वाले ने यह भी दावा किया कि उसके गार्ड भी उसकी रक्षा करने में असमर्थ होंगे। धमकी के साथ एक विस्फोट की तस्वीर भी थी। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने कहा कि इसके पीछे क्या कारण है, वह मुझे क्यों मारना चाहता है, कौन है जो मुझे मरवाना चाहता है? कोई तो होगा जो उसे ढूंढ लेगा। इसकी जिम्मेदारी IB, RAW की है। आप (सरकार) सुरक्षा न दें, कंगना रनौत और अन्य को दें। जांच की जिम्मेदारी निभाएं, क्या हम इस देश के नागरिक नहीं हैं, क्या हम इस देश के कानून और संविधान के लिए खड़े नहीं होते हैं? उन्होंने कहा कि अगर सच बोलने की यही सजा है तो मैं ऐसी सजा हजार बार भुगतने को तैयार हूं।

सावरकर के परिजनों द्वारा दायर मानहानि की शिकायत के संबंध में पुणे की एक अदालत में पेश नहीं हुए राहुल

पुणे (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी संसद के शीतकालीन सत्र के कारण हिंदुत्व विचारक वीडी सावरकर के परिजनों द्वारा उनके खिलाफ दायर मानहानि की शिकायत के संबंध में पुणे की एक अदालत में पेश नहीं हुए। गांधी के वकील मिलिंद पवार ने कहा कि उनके मुवक्किल ने संसद के चल रहे सत्र के कारण पेशी से छूट मांगी थी, उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता 10 जनवरी को अदालत में उपस्थित होंगे।

सावरकर के पोते सत्यकी सावरकर ने पुणे की एक अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें दावा किया गया था कि गांधी ने मार्च 2023 में लंदन में अपने भाषण में कहा था कि सावरकर ने एक किताब में लिखा है कि उन्होंने और उनके पांच-छह दोस्तों ने एक बार एक मुस्लिम व्यक्ति की पिटाई की थी और उन्हें (सावरकर को) खुशी हुई थी।

याचिका के अनुसार, वीडी सावरकर ने ऐसा कहीं नहीं लिखा है। उस समय, अदालत ने पुलिस से आरोपों की जांच

करने और रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था। विश्रामबाग पुलिस ने जांच के बाद कहा कि शिकायत में प्रथम दृष्टया सच्चाई है। 18 नवंबर को संयुक्त सिविल जज और न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) अमोल शिंदे की एमपी/एमएलए की विशेष अदालत ने एक आदेश जारी कर गांधी को 2 दिसंबर को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया।

शिकायतकर्ता सत्यकी सावरकर का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता संग्राम कोल्हटकर ने अदालत से गांधी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने का आग्रह किया, क्योंकि वह तीन मौकों पर अदालत में पेश होने में विफल रहे। कोल्हटकर ने तर्क दिया कि यह अदालत की अवमानना है, क्योंकि गांधी समन मिलने के बावजूद पेश होने में विफल रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 174 (लोक सेवक के आदेश का पालन न करना) के तहत कार्रवाई की मांग की गई है।

कोल्हटकर ने बाद में संवाददाताओं को बताया कि अगर वह 10 जनवरी को अदालत में पेश नहीं होते हैं, तो गैर जमानती वारंट जारी किया जाएगा। कोल्हटकर ने 26 नवंबर को राहुल गांधी द्वारा दिए गए भाषण से संबंधित कुछ समाचार कटिंग भी प्रस्तुत कीं, जिसमें राहुल गांधी ने सावरकर के खिलाफ इसी तरह की टिप्पणी की थी। उन्होंने अदालत से गांधी को सावरकर के खिलाफ कोई भी टिप्पणी करने से रोकने के लिए कहा, जिस पर न्यायाधीश शिंदे ने मौखिक रूप से अधिवक्ता पवार से कहा कि वह अपने मुवक्किल से ऐसी टिप्पणी न करने के लिए कहें।

महिलाओं को समंदर के जहाजों और तटवर्ती संस्थानों में काम करने का मिला मौका

बदलती तकनीकी के चलते अगली पीढ़ी की लीडरशिप है एक बड़ा चैलेंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन नेवी-डे 4 दिसंबर के उपलक्ष्य में नौसेना चीफ एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने नौसेना की तेजी से बदलती तकनीकी जरूरतों, महिलाओं के योगदान और आगामी पीढ़ी की लीडरशिप के बारे में कहा कि तेजी से बदलती तकनीकी और जियोपॉलिटिकल स्थिति के चलते अगली पीढ़ी की लीडरशिप के लिए यह एक बड़ा चैलेंज है। हम अपने जवानों को तैयार कर रहे हैं ताकि वे किसी भी स्थिति से निपट सकें। हम हमेशा तकनीकी में एक कदम आगे रहने की कोशिश करते हैं, ताकि दुश्मन के पास जो जानकारी हो, वह हमारे पास भी हो।

नौसेना चीफ ने कहा कि महिलाओं के लिए भारतीय नौसेना में हर तरह के रोल खुले हैं, केवल सबमरीन में महिलाओं को शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में शुरू की गई अग्निपथ स्कीम में महिलाओं को समंदर के जहाजों और तटवर्ती संस्थानों में पूरी तरह से काम करने का मौका दिया है और इस प्रक्रिया में कोई भेदभाव नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि जब वे 10वीं क्लास में थे, तो मुंबई में समंदर देख कर उनका मन बदल गया और तब से उनका सपना भारतीय नौसेना में शामिल होने का था। एडमिरल त्रिपाठी ने मर्चेंट नेवी और इंडियन नेवी के अंतर को भी बताया। मर्चेंट नेवी का काम समुद्री व्यापार को सुरक्षित रूप से संचालन करना है, जबकि इंडियन नेवी का मुख्य काम समुद्री सुरक्षा प्रदान करना है। नौसेना चीफ ने बताया कि नेवी में करियर बनाने के कई रास्ते हैं। 12वीं के बाद एनडीए या नेवल अकैडमी से ऑफिसर बनने का मौका है या फिर किसी इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक करने के बाद एक परीक्षा पास कर नेवी में ऑफिसर बन सकते हैं। इसके अलावा, अग्निपथ स्कीम के तहत भी लोग सेलर के रूप में नेवी में शामिल हो सकते हैं। इस तरह, भारतीय नौसेना ने अपनी ताकत और विविधता को लगातार बढ़ाया है, जिसमें महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान भी शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

पुतिन ने रूस के रिकॉर्ड रक्षा खर्च को मंजूरी दी

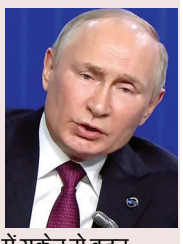

मास्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बजट योजनाओं को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत 2025 तक रक्षा खर्च को रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ा दिया जाएगा। इस कदम को मॉस्को द्वारा युद्ध में यूक्रेन से बढ़त हासिल करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। रविवार को सरकारी वेबसाइट पर पोस्ट किए गए बजट का लगभग 32.5 प्रतिशत राष्ट्रीय रक्षा के लिए आवंटित किया गया है, जो मौजूदा वर्ष के 28.3 प्रतिशत से अधिक है। रूसी संसद के दोनों सदनों – स्टेट ड्यूमा और फेडरेशन काउंसिल – के सांसदों ने बजट योजनाओं को मंजूरी दे दी है। रूस-यूक्रेन युद्ध फरवरी 2022 में शुरू हुआ था और यह जंग द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यूरोप का सबसे बड़ा संघर्ष है और दोनों पक्षों ने अपने संसाधन इसमें झोंक दिये हैं। कीव को अपने पश्चिमी सहयोगियों से अरबों डॉलर की मदद मिल रही है।

अलास्का के समुद्र में मछुआरों की नौका पलटी, पांच लोग लापता

जुनो, एजेंसी। अलास्का की राजधानी जुनो के समीप खराब मौसम के बीच मछुआरों की एक नौका के समुद्र में पलट जाने से पांच लोग लापता हो गए और उनकी तलाश की जा रही है। अमेरिकी तटरक्षक बल ने रविवार को यह जानकारी दी। तटरक्षक बल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, लगभग 50 फुट लंबी नौका 'विंड वॉकर' के चालक दल ने रात 12 बजकर 10 मिनट पर संदेश भेजा कि उनकी नौका पलटने वाली है, लेकिन इसके अलावा और कुछ जानकारी नहीं दे पाया। बाद में पता चला कि 'विंड वॉकर', जूनो के दक्षिण-पश्चिम में पॉइंट कुवर्डन के पास पानी में पलट गई। विज्ञप्ति के अनुसार, 'एएमएचएस हबर्ड' नौका के चालक दल ने यह संदेश सुना और वे घटनास्थल पर सबसे पहले पहुंचे। बचाव कार्य के लिए तटरक्षक बल ने एक 'एमएच-60 जेहॉक' हेलीकॉप्टर और एक नौका को मौके पर भेजा। तलाशी अभियान जारी है। तटरक्षक बल ने बताया कि कुछ लोगों के अनुसार 'विंड वॉकर' पर पांच लोग सवार थे, लेकिन अधिकारियों ने लोगों की संख्या के संबंध में पुष्टि नहीं की है।

फ्रांस में स्की रिजॉर्ट के पास बस दुर्घटना में दो लोगों की मौत

पेरिस, एजेंसी। दक्षिणी फ्रांस में एक स्की रिजॉर्ट के पास रविवार शाम एक बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि पोर्टे-प्यूमोरेंस स्की रिजॉर्ट के पास जो बस दुर्घटनाग्रस्त हुई उसमें चालक सहित कुल 47 लोग सवार थे। सात लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि बस एक चट्टान से टकराने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुई, लेकिन फिलहाल हादसे का वास्तविक कारण ज्ञात नहीं है। स्थानीय अग्निशमन सेवा द्वारा जारी की गई तस्वीरों में बस को एक चट्टान पास देखा जा सकता है और टक्कर के कारण वाहन का दाहिना भाग आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त नजर आ रहा है तथा इसकी खिड़कियों के शीशे टूटकर बिखरे हुए थे। राहत कार्य में पड़ोसी देश एंडोरा और स्पेन की भी मदद ली गई और हेलीकॉप्टर भी तैनात किए गए।

अमेरिका ने यूक्रेन को परमाणु हथियार लौटाने से किया इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने रविवार को कहा कि अमेरिका यूक्रेन को वे परमाणु हथियार लौटाने पर विचार नहीं कर रहा है, जो उसने सोवियत संघ के पतन के बाद छोड़े थे। सुलिवन ने यह टिप्पणी पिछले महीने एक अखबार में लिखे एक लेख के बारे में पूछे जाने पर की जिसमें कहा गया था कि कुछ अज्ञात पश्चिमी अधिकारियों ने सुझाव दिया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन पद छोड़ने से पहले यूक्रेन को हथियार दे सकते हैं। रूस ने इस पर कड़ी आपत्ति जाहिर की थी।जैक सुलिवन ने कहा कि, इस पर विचार नहीं किया जा रहा है। हम जो कर रहे हैं वह यूक्रेन को विभिन्न पारंपरिक क्षमताएं प्रदान करना है ताकि वे प्रभावी रूप से अपना बचाव कर सकें और रूसियों से मुकाबला कर सकें, न कि उन्हें परमाणु क्षमता देने पर विचार कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कीव को 1991 में सोवियत संघ के पतन के बाद उससे परमाणु हथियार विरासत में मिले थे, लेकिन 1994 में बुडापेस्ट मेमोरेंडम नामक समझौते के तहत रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन से सुरक्षा आश्वासन के बदले में उसने उन्हें छोड़ दिया था।

बांग्लादेश में 54 इस्कॉन सदस्यों को भारत जाने से रोका

कहा- स्पेशल परमिशन नहीं है, धार्मिक समारोह में भाग लेने जा रहे थे

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की इमिग्रेशन पुलिस ने वैध पासपोर्ट और वीजा के साथ भारत जा रहे इस्कॉन के 54 सदस्यों को बॉर्डर पर रोक दिया। ये लोग एक धार्मिक समारोह में भाग लेने भारत जा रहे थे। इसे लेकर इमिग्रेशन पुलिस का कहना है कि उनके पास भले ही वैध पासपोर्ट और वीजा थे, लेकिन गवर्नमेंट की स्पेशल परमिशन नहीं थी। बेनापोल इमिग्रेशन पुलिस के एक अधिकारी ने द डेली स्टार अखबार से कहा- हमने पुलिस की स्पेशल ब्रांच से बात की। जहां से हमें इस्कॉन सदस्यों को बॉर्डर पार न जाने देने के निर्देश मिले। देश के अलग-अलग जिलों से आया श्रद्धालुओं का जत्था भारत जाने के लिए बेनापोल बॉर्डर पर पहुंचा था। वे बेनापोल में बॉर्डर पार जाने के लिए घंटों इंतजार करते रहे, लेकिन बाद में बताया गया कि उन्हें इसकी परमिशन नहीं है।

इस्कॉन सदस्य सौरभ तपंदर चेली ने कहा- हम भारत में हो रहे एक धार्मिक समारोह में भाग लेने जा रहे थे, लेकिन इमिग्रेशन अधिकारियों ने हमें सरकारी परमिशन न होने का हवाला देकर रोक दिया। अब तक चार इस्कॉन सदस्यों की गिरफ्तारी का दावा वहीं, दूसरी तरफ कोलकाता इस्कॉन के प्रवक्ता राधारमण दास ने बांग्लादेश में अब तक 4 इस्कॉन सदस्यों की गिरफ्तारी का दावा किया है। चार हिंदू पुजारियों की तस्वीर पोस्ट करते

हुए राधारमण दास ने लिखा- क्या ये आतंकवादी जैसे दिखते हैं? इन सभी को बांग्लादेशी पुलिस ने बिना किसी कारण के गिरफ्तार कर लिया है।

हालांकि, चिन्मय प्रभु के अलावा अन्य इस्कॉन सदस्यों की गिरफ्तारी या हिरासत पर बांग्लादेश की तरफ से अब तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। बांग्लादेश इस्कॉन ने चिन्यम प्रभु से नाता तोड़ा हिंदू धर्मगुरु चिन्मय प्रभु की रिहाई को लेकर बांग्लादेश के अलग-अलग हिस्सों में विरोध प्रदर्शन जारी है। वहीं, इस्कॉन बांग्लादेश ने चिन्मय प्रभु से खुद को अलग कर लिया है। महासचिव चारु चंद्र दास ब्रह्मचारी ने कहा कि अनुशासन भंग करने की वजह से चिन्मय को पहले ही संगठन के सभी पदों से हटा दिया गया था।

इस्कॉन से जुड़े 17 लोगों के बैंक अकाउंट सीज न्यूज एजेंसी क्ष्ज्ञद्ध के मुताबिक यूनुस प्रशासन ने इस्कॉन से जुड़े 17 लोगों के बैंक अकाउंट्स 30 दिनों के लिए सीज कर दिए हैं। इसमें चिन्मय प्रभु का अकाउंट भी शामिल है। बांग्लादेश फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ने गुरुवार को अलग-अलग बैंकों को इसके निर्देश भेजे। फाइनेंशियल इंटेलिजेंस एजेंसी ने सेंट्रल बांग्लादेश बैंक से इन सभी 17 लोगों से जुड़े अकाउंट्स से हुई लेन-देन की जानकारी 3 दिन के भीतर भेजने को कहा है।

बांग्लादेश : दो हिंदु भिक्षु गिरफ्तार, चटगांव के 70 अल्पसंख्यक वकीलों-पत्रकारों पर केस दर्ज

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने चटगांव के 70 अल्पसंख्यक वकीलों और दो पत्रकारों के खिलाफ झूठा और परेशान करने वाला केस दर्ज होने पर हैरानी और चिंता जाहिर की है। इस बीच इस्कॉन कोलकाता ने दो हिंदू भिक्षुओं और एक अन्य की गिरफ्तारी व इस्कॉन सेंटर पर हमले का भी दावा किया। अल्पसंख्यक पत्रकारों और वकीलों के खिलाफ 30 नवंबर को कोतवाली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। जिसमें इन पर देशी बम विस्फोट और वाहनों में तोड़फोड़ करने में शामिल होने का आरोप लगाया गया।

रविवार को एक आधिकारिक बयान में, परिषद ने इस केस को मानवाधिकारों और कानून के शासन का उल्लंघन बताया परिषद ने कहा कि यह केस पुजारी चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी के खिलाफ दर्ज राजद्रोह मामले को बाधित करने और इससे जुड़े समाचारों के प्रकाशन-प्रसार को जबरन रोकने के गुप्त इरादे से दायर किया गया। परिषद ने यह भी मांग की कि बांग्लादेशी सरकार और कानून प्रवर्तन अधिकारी तुरंत झूठे मामले को वापस लें, वकीलों और पत्रकारों को रिहा करने के लिए तत्काल कदम उठाएं।

इस बीच, शनिवार को इस्कॉन कोलकाता ने आरोप लगाया कि बांग्लादेशी अधिकारियों ने दो भिक्षुओं, आदिपुरुष श्याम दास और रंगनाथ दास ब्रह्मचारी, के साथ-साथ चिन्मय कृष्ण दास के सचिव को भी गिरफ्तार किया है। इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष राधा रमन ने कहा कि भिक्षुओं को शुक्रवार को पुलिस ने उस समय गिरफ्तार किया जब वे चिन्मय कृष्ण दास से मिलने के बाद घर जा रहे थे। चिन्मय कृष्ण दास को 25 नवंबर को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

राधा रमन ने खुद के बनाए गए एक वीडियो में कहा, 29 नवंबर को जब आदिपुरुष श्याम दास और रंगनाथ दास ब्रह्मचारी चिन्मय कृष्ण प्रभु से मिलकर लौट रहे थे, तो उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हमें यह भी जानकारी मिल रही है कि चिन्मय कृष्ण दास के सचिव को भी गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि दंगाइयों ने बांग्लादेश में इस्कॉन केंद्र में तोड़फोड़ की। बांग्लादेश में स्थिति तब से तनावपूर्ण है जब आध्यात्मिक उपदेशक चिन्मय कृष्ण दास पर 25 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया। उन पर चटगांव में बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज के ऊपर भगवा झंडा फहराने के आरोप में देशद्रोह का आरोप लगाया गया।

दास की गिरफ्तारी के बाद, 27 नवंबर को चटगांव कोर्ट बिल्डिंग क्षेत्र में पुलिस और आध्यात्मिक गुरु के कथित अनुयायियों के बीच झड़प के दौरान एक वकील की मौत हो गई थी। शुक्रवार को, भारत ने बांग्लादेश में चरमपंथी बयानबाजी, हिंसा और उकसावे की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने बांग्लादेशी सरकार के साथ हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर लक्षित हमलों का मुद्दा लगातार मजबूती के साथ उठाया है।

कॉपीराइट उल्लंघन को लेकर कनाडा ने ओपन एआई पर किया मुकदमा

टोरंटो, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित चैटबॉट चैट जीपीटी के निर्माता ओपन एआई के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। आरोप है कि ओपन एआई ने अपने सॉफ्टवेयर को प्रशिक्षित करने के लिए समाचार लेखों का अवैध रूप से इस्तेमाल किया। इससे कॉपीराइट और ऑनलाइन उपयोग की शर्तों का उल्लंघन हुआ है। कनाडाई मीडिया के मुताबिक, ओपन एआई ने पत्रकारिता सामग्री का उपयोग अपनी एआई प्रणाली को प्रशिक्षित करने के लिए किया।

जॉर्जिया में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दरअसल महिला अपने पिता को ढूंढ रही थी, लेकिन वह ये जानकर हैरान रह गई वह जिस पिता को ढूंढ रही थी, वह बीते तीन वर्षों से उसकी फ्रेंड लिस्ट में शामिल थे। दरअसल तमुना मुसेरिद्जे नामक महिला को कुछ समय पहले पता चला कि उसके परिजनों ने उसे गोद लिया था। इस पर महिला ने अपने असली माता-पिता की खोज की। खोज करने पर उसे अपनी मां के बारे में पता चला। मां से ही उसे अपने पिता के नाम का पता चला। महिला ने जब पिता के नाम से फेसबुक पर सर्च किया तो वो ये जानकर हैरान रह गई, उसके पिता उसकी फ्रेंड लिस्ट में बीते तीन वर्षों से शामिल थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुसेरिद्जे की मां और उसके पिता के बीच अफेयर था, जिससे शादी से पहले ही मुसेरिद्जे की मां गर्भवती हो गई।

यूक्रेन-रूस और इस्राइल-हमास युद्ध से हथियारों की बिक्री बढ़ी, 4.2 फीसदी का हुआ इजाफा

स्टॉकहोम, एजेंसी। दुनिया में छिड़े दो बड़े युद्धों से हथियार बाजार में गरमा-गरमी है। कोरोना काल के बाद भड़के यूक्रेन-रूस युद्ध और पिछले साल अक्तूबर में इस्राइल-हमास युद्ध के बाद हथियारों का बाजार तैयार हो गया है। पिछले साल 632 अरब डॉलर के हथियारों और सैन्य सेवाओं की बिक्री हुई थी। यानी की 4.2 फीसदी अधिक। यह दावा स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) की एक रिपोर्ट में किया गया है।

पिछले साल 4.2 फीसदी की हुई ब्रिकी : रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल यूक्रेन और गाजा में हो रहा युद्ध तथा एशिया में तनाव के कारण प्रमुख हथियार निर्माताओं की बिक्री में वृद्धि हुई थी, जबकि रूस और मध्य पूर्व में स्थित निर्माताओं के

लिए उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। एसआईपीआरआई का कहना है कि दुनिया की 100 सबसे बड़ी हथियार कंपनियों द्वारा हथियारों और सैन्य सेवाओं की बिक्री 2023 में कुल 632 अरब डॉलर थी, जो 4.2 प्रतिशत अधिक थी।

पहली बार एक अरब डॉलर की बिक्री की थी : आगे बताया गया कि 2022 में राजस्व में गिरावट आई थी क्योंकि वैश्विक हथियार निर्माताओं को मांग में वृद्धि को पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ा था, लेकिन उनमें से कई पिछले साल उत्पादन बढ़ाने में कामयाब रहे। मांग में इस उछाल के संकेत में, सभी 100 कंपनियों ने पिछले साल पहली बार एक अरब डॉलर से अधिक की बिक्री हासिल की। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के शोधकर्ता लोरेंजो स्काराज्जातो ने कहा, पिछले साल हथियारों के राजस्व में काफी वृद्धि हुई है। इस साल भी यह जारी रहने की संभावना है।

आने वाले समय में हथियारों की ब्रिकी को.. उन्होंने कहा कि दुनिया की शीर्ष 100 हथियार कंपनियां अभी भी ब्रिकी की मांग को पूरा नहीं कर पा रही हैं। कई कंपनियों ने भर्ती करना शुरू कर दिया, जिससे साफ होता है कि वे आने वाले समय में हथियारों की ब्रिकी को लेकर आशावादी है। एसआईपीआरआई ने कहा कि गाजा और यूक्रेन में युद्धों, पूर्वी एशिया में बढ़ते तनाव और अन्य क्षेत्रों में पुनः शस्त्रीकरण कार्यक्रमों से जुड़ी मांग को पूरा करने में छोटे उत्पादक अधिक प्रभावी रहे हैं।

अमेरिका की कंपनियां उत्पादों में सबसे आगे : पिछले साल अक्तूबर में इस्राइल-हमास युद्ध ने भी हथियारों की खरीद की रेस को बढ़ाया है। इस्राइल के पास अपने बूते हथियारों का बड़ा जखीरा है, वहीं हमास के पक्ष में ईरान और खाड़ी के अन्य देशों ने अपने भंडारों को खोल दिया है।

इन सबको ध्यान में रखते हुए रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिका की कंपनियां उत्पादों में आगे हैं। दुनिया के शीर्ष 100 में 41 अमेरिकी हथियार उत्पादक हैं। उसने पिछले साल अपनी बिक्री में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और अभी भी दुनिया के आधे हथियार राजस्व के लिए जिम्मेदार हैं। दूसरी ओर, दुनिया के दो सबसे बड़े हथियार निर्माता, लॉकहीड मार्टिन और आरटीएक्स (पूर्व में रेथियॉन टेक्नोलॉजीज) ने क्रमशः 1.6 प्रतिशत और 1.3 प्रतिशत की राजस्व में गिरावट दर्ज की।

अमेरिकी आईलैंड में ताइवानी राष्ट्रपति के वेलकम से चीन नाराज

कहा- हमारी पूरे मामले पर बारीक नजर, जवाबी कार्रवाई करेंगे

हवाई, एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते एक हफ्ते के पैसिफिक आईलैंड्स के दौरे पर हैं। उन्होंने इसकी शुरुआत अमेरिका के हवाई प्रांत से की, जहां रेड कार्पेट बिछाकर उनका स्वागत किया गया। इसके साथ अमेरिका ने ताइवान को और अधिक हथियार बिक्री के प्रस्ताव को मंजूरी दी। अमेरिका का ये फैसला चीन को नागवार गुजरा है। अमेरिकी विदेश विभाग ने ताइवान को एफ-16 जेट विमानों और राडार के लिए स्पेयर पार्ट्स और सपोर्ट की लगभग 385 मिलियन डॉलर की बिक्री को मंजूरी दी है।

अलजजीरा के मुताबिक, चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह इस पूरे घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रखेगा और अपने देश की देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बचाने के लिए ठोस कदम उठाएगा। हथियार बिक्री के मुद्दे पर चीन ने कहा- अमेरिका का यह फैसला ताइवान इन्डेपेन्डेन्ट फोर्स को गलत मैसेज देगा। हम इस पर जवाबी कार्रवाई करेंगे।

मार्शल आइलैंड, तुवालु और पलाऊ भी जाएंगे : लाई चिंग-ते ने पर्ल

हार्बर में यूएसए एरिजोना मेमोरियल का दौरा किया। यहां उन्होंने कहा कि अमेरिका और ताइवान को युद्ध को रोकने के लिए एक साथ लड़ना चाहिए। शांति अमूल्य है और युद्ध में कोई विजेता नहीं होता। हवाई के बाद लाई चिंग-ते मार्शल आइलैंड, तुवालु और पलाऊ का दौरा करेंगे।

पैसिफिक रीजन में ये राष्ट्र ही ताइवान को एक स्वतंत्र देश के तौर पर मान्यता देते हैं। ताइवान पर चीन के कब्जे का डर 1940 के दशक में जब चीन का शासन कम्युनिस्ट पार्टी के हाथ में आया तो बचे हुए राष्ट्रवादी देश छोड़ ताइवान द्वीप पर जा बसे थे। इन राष्ट्रवादियों ने ताइवान में लोकतांत्रिक शासन लागू किया था।

चीन ताइवान को अपना ही हिस्सा मानता है। जबकि ताइवान खुद को एक स्वतंत्र देश मानता है। चीन इसलिए ताइवान पर कब्जा करना चाहता है। ताइवान पर कब्जा करके चीन पश्चिमी प्रशांत महासागर इलाके में अपना दबदबा दिखाने के लिए आजाद हो जाएगा। इससे गुआम और हवाई जैसे अमेरिकी मिलिट्री बेस के लिए खतरा पैदा हो जाएगा। इसके अलावा ताइवान अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर का सबसे बड़ा निर्माता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने बेटे हंटर को माफी दी : अवैध तरीके से बंदूक खरीदने-टैक्स चोरी में दोषी थे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने बेटे हंटर बाइडन को माफी दे दी है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक वे अवैध तरीके से बंदूक रखने और टैक्स चोरी के मामले में सजा का सामना कर रहे थे। बाइडेन ने बयान जारी कर कहा- जिस दिन से मैंने पद संभाला है, मैंने कहा है कि न्याय विभाग के फैसले में दखल नहीं दूंगा। मैंने अपना यह वादा निभाया भी है, लेकिन मैंने देखा कि मेरे बेटे को निशाना बनाया जा रहा है। उस पर गलत तरीके से मुकदमा चलाया गया।

बाइडेन ने कहा कि उन्हें कानून व्यवस्था पर पूरा यकीन है, लेकिन राजनीति ने इसे गंदा कर दिया है। यह न्याय व्यवस्था की नाकामी है। राष्ट्रपति ने कहा कि हंटर के मामले को देखने वाला कोई भी समझदार शख्स यह जानता होगा कि उसे सिर्फ इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वह मेरा बेटा है। राष्ट्रपति ने कहा, हंटर को बर्बाद करने की कोशिश में कुछ लोगों ने मुझे भी कमजोर करना चाहा। यह सब अभी नहीं रुकता, इसलिए उन्हें अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करना पड़ा। अमेरिकी लोग समझेंगे कि एक पिता और राष्ट्रपति ने यह फैसला क्यों लिया।

सजा मिलने से 2 दिन पहले हंटर को माफी मिली हंटर को डेलावेयर कोर्ट में 4 दिसंबर को सजा सुनाई जानी थी। अवैध तरीके से बंदूक खरीदने के मामले में अधिकतम 25 साल तक की जेल हो सकती है, लेकिन कानून के कई जानकारों के मुताबिक पहला आपराधिक मामला होने की वजह से उन्हें 12 से 16 महीने तक की सजा हो सकती थी। सजा सुनाए जाने से ठीक 2 दिन पहले पिता बाइडेन ने अपनी राष्ट्रपति शक्तियों का इस्तेमाल कर बेटे बाइडेन को बचा लिया। हंटर को जून में दोषी पाए जाने से पहले बाइडेन ने कहा था कि अगर दोषी पाया गया तो अपने बेटे को कभी माफ नहीं करेंगे।

टैक्स चोरी मामले में 16 दिसंबर को मिलने वाली थी सजा दोष स्वीकार करने के बाद हंटर को अधिकतम 15 साल की सजा हो सकती थी। उन्हें 16 दिसंबर को कैलिफोर्निया में सजा सुनाई जाने वाली थी और करीब 11 करोड़ रुपए का जुर्माना देना पड़ सकता था। सजा सुनाए जाने से 14 दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने बेटे को माफी दे दी।

ट्रम्प अपने समधी को फ्रांस में राजदूत बनाएंगे : टैक्स चोरी के मामले में जेल जा चुके हैं

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने दामाद जैरेड कुशनर के पिता यानी अपने समधी चार्ल्स कुशनर को फ्रांस में अगले अमेरिकी राजदूत के तौर पर नॉमिनेट करने की घोषणा की है। ट्रम्प ने चार्ल्स कुशनर को बेहतरीन बिजनेस लीडर, परोपकारी और डीलमेकर बताया है। ट्रम्प और चार्ल्स कुशनर एक दूसरे को रियल एस्टेट बिजनेस से जानते हैं। साल 2009 में ट्रम्प की बेटी इवांका और चार्ल्स कुशनर के बेटे जैरेड कुशनर की शादी से ये पहचान रिश्तेदारी में बदल गई।

बिजनेस स्टैंडर्ड के मुताबिक, चार्ल्स कुशनर को साल 2005 में गलत टैक्स रिटर्न तैयार करने और फेडरल इलेक्शन कमीशन को झूठा बयान देने का अपराधी पाया गया था। उन्होंने इस मामले में 16 महीने से ज्यादा जेल में बिताए। 2020 में ट्रम्प ने प्रेसिडेंट पावर का इस्तेमाल कर उन्हें माफ कर दिया था।

ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर किया राजदूत बनाने का ऐलान : ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रम्प ने कहा- मुझे न्यू जर्सी के चार्ल्स कुशनर को फ्रांस में अमेरिकी राजदूत के तौर पर नॉमिनेट करते हुए बहुत खुशी हो रही है। वह एक बेहतरीन बिजनेस लीडर, परोपकारी और डीलमेकर हैं, जो हमारे देश और उसके हितों को पेश करने वाले एक मजबूत वकील होंगे। उन्होंने आगे लिखा कि चार्ली (चार्ल्स कुशनर) कुशनर कंपनियों के फाउंडर और चेयरमैन हैं, जो देश की सबसे बड़ी और सबसे सफल प्राइवेट रियल एस्टेट फर्मों में से एक है। उन्हें अर्न्स्ट एंड यंग ने न्यू जर्सी एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर के तौर पर मान्यता दी। उन्होंने न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के पोर्ट अथॉरिटी के कमिश्नर और चेयरमैन के तौर भी काम किया,

साथ ही एनवाययू समेत हमारे टॉप इंस्टीट्यूशन के बोर्ड में भी काम किया।

कुशनर फैमिली की अमेरिका में 20 हजार से ज्यादा प्रॉपर्टी : ट्रम्प के पिछले मंत्रिमंडल में उनके दामाद जैरेड कुशनर काफी अहम पोजिशन रखते थे। अब्राहम अकॉर्ड के साथ-साथ इज़राइल, यूएई और बहरीन के बीच 2020 के शांति समझौते की मध्यस्थता में जैरेड का बड़ा रोल था। चार्ल्स कुशनर अमेरिका के जाने-माने रियल एस्टेट डेवलपर हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, उनकी फैमिली के अमेरिका में करीब 20 हजार से ज्यादा अपार्टमेंट हैं। चार्ल्स पोलिश मूल के यहूदी हैं। उनका परिवार 1949 में पोलैंड से अमेरिका आ बसा था। कुशनर फैमिली की न्यूजर्सी, पेनसिल्वेनिया और मैरीलैंड में कई लाख वर्ग फीट से ज्यादा की प्रॉपर्टी और इंडस्ट्रियल एरिया में जमीनें हैं।

रियल एस्टेट ब्रोकर ने कराई इवांका और जैरेड की मुलाकात : जैरेड की इवांका से पहली मुलाकात जुलाई 2005 में एक रियल एस्टेट ब्रोकर के जरिए हुई थी। - इनकी दोस्ती आगे बढ़ी। उस वक्त कुशनर ने अपने पिता का कामकाज संभाला ही था। - कुशनर एक यहूदी फैमिली से हैं। ऐसे में कुछ वक्त बाद धर्म को लेकर दोनों के रिश्तों में ब्रेक आ गया। - कुशनर का परिवार रूढ़िवादी है और उसने इवांका के धर्म को लेकर आपत्ति उठाई थी।

शादी तक ऐसे पहुंची बात : मीडिया मुगल रूपर्ट मर्डोक जैरेड कुशनर के बहुत करीबी रहे। वहीं, मर्डोक की वाइफ रहीं चीनी एक्ट्रेस वेंडी डेंग इवांका की अच्छी दोस्त हैं। - लिहाजा इन दोनों ने मिलकर कुशनर और इवांका को वापस मिलाया और जब दोनों की दूरिया मिटीं, तो बात शादी तक पहुंची। - 25 अक्टूबर 2009 में दोनों ने शादी की। इनके तीन बच्चे बेटी अराबेला रोज, बेटा जोसेफ और थ्योडोर हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डिंडोली में सूदखोर तिवारी पिता-पुत्र का आतंक

व्यापारी ने 9 लाख के बदले 21 लाख चुकाए, फिर भी 11 लाख और मांग कर धमकी देने पर शिकायत दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली इलाके में एक बार फिर सूदखोरी का मामला सामने आया है। इसमें व्यापारी ने आरोप लगाया है कि तिवारी पिता-पुत्र ने उसे 9 लाख रुपये की कर्ज के बदले 21 लाख रुपये चुकाने पर मजबूर किया। इसके बाद भी उन्होंने 11 लाख रुपये और मांगते हुए उसे धमकियां दीं।

इस घटना के बाद व्यापारी को मानसिक उत्पीड़न और डर का सामना करना पड़ा। मामले की गंभीरता को देखते हुए व्यापारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने तिवारी पिता-पुत्र के खिलाफ जांच शुरू कर दी है और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डिंडोली क्षेत्र में इस तरह के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे स्थानीय लोग परेशान हैं। प्रशासन सूदखोरी के मामलों पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाने की तैयारी कर रहा है।

9 लाख के कर्ज पर 21 लाख वसूले गए पटेलनगर के निवासी और साड़ी दुकान के मालिक, सौरभभाई शुक्ला ने दिसंबर 2023 से अक्टूबर 2024 तक कुल 9 लाख रुपये ब्याज पर लिए थे। तिवारी पिता कुन्ना तिवारी और पुत्र अनिष तिवारी ने इस कर्ज पर ब्याज सहित कुल 21.67 लाख रुपये वसूल किए।

इसके बावजूद, तिवारी पिता-पुत्र ने सौरभभाई की दुकान पर जाकर उन्हें धमकाना और 11 लाख रुपये और वसूलने की पठानी उगाही जारी रखी।

सौरभभाई ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और तिवारी पिता-पुत्र के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

व्यापारी ने धमकियों से तंग आकर कानूनी सहारा लिया

सौरभभाई ने बताया कि तिवारी पिता-पुत्र उन्हें गालियां देते थे और हाथ-पैर तोड़ने की धमकियां भी देते थे। इन धमकियों से परेशान होकर उन्होंने कानून का सहारा लेने का फैसला किया।

डिंडोली पुलिस ने तिवारी पिता-पुत्र के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि पिछले कुछ समय से सूदखोरी और धमकियों के मामलों में सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसके तहत सूदखोरों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ PASA के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सूरत क्राइम ब्रांच ने 1.04 करोड़ रुपये के एमडी ड्रग्स मामले में

फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट पेश करने वाले बोगस डॉक्टर शोभितसिंह ठाकोर को गिरफ्तार किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर की क्राइम ब्रांच ने 1.04 करोड़ रुपये मूल्य के एमडी ड्रग्स जब्त किए थे। इस मामले में 2020 में 19 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई थी। इनमें से एक आरोपी आदिल नूरानी, जो फिलहाल सूरत की लाजपोर जेल में न्यायिक हिरासत में है, ने हाई कोर्ट में जमानत के लिए आवेदन किया था।

आदिल नूरानी ने अपनी जमानत के समर्थन में एक मेडिकल सर्टिफिकेट पेश किया, जिसमें दावा किया गया कि उसकी मां मुनिरा नूरानी की तबीयत खराब है और उन्हें एंजियोग्राफी की आवश्यकता है।

जांच में पाया गया कि यह सर्टिफिकेट फर्जी था और इसे एक बोगस डॉक्टर, शोभितसिंह ठाकोर, ने तैयार किया था। पुलिस ने शोभितसिंह ठाकोर को गिरफ्तार कर लिया है, और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

हाई कोर्ट ने सूरत क्राइम ब्रांच को आरोपी द्वारा पेश किए गए मेडिकल सर्टिफिकेट की सत्यता जांचने का आदेश दिया। जांच में सामने आया कि यह सर्टिफिकेट फर्जी था और इसे बोगस डॉक्टर शोभितसिंह ठाकोर ने तैयार किया था।

शोभितसिंह ठाकोर के पास कोई वैध मेडिकल लाइसेंस नहीं है और वह अवैध रूप से "कृष्णा जनरल एंड रॉमा अस्पताल" चला रहा था। इस खुलासे के बाद पुलिस ने शोभितसिंह ठाकोर को गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। डॉक्टर शोभितसिंह ठाकोर ने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया कि उसने एमबीबीएस-एमडी डॉक्टर दिलीप तड़वी की फर्जी हस्ताक्षर और मोहर का उपयोग करके झूठा मेडिकल सर्टिफिकेट तैयार किया था। उसने अपनी स्थिति का दुरुपयोग करते हुए यह सर्टिफिकेट जारी किया और आदिल नूरानी की मां के लिए तत्काल एंजियोग्राफी की जरूरत होने का झूठा दावा किया।

शोभितसिंह ने यह सर्टिफिकेट हाई कोर्ट में पेश करवाने के लिए बनाया था ताकि आरोपी को जमानत मिल सके। पुलिस इस मामले में गहराई से जांच कर रही है।

सूरत क्राइम ब्रांच के पीआई किरण मोदी ने बताया कि आरोपी शोभितसिंह ठाकोर को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे आगे की पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह जांच कर रही है कि उसने अपनी अवैध मेडिकल प्रैक्टिस के दौरान कितने लोगों को फर्जी सर्टिफिकेट जारी किए हैं और वह कब से इस गैरकानूनी गतिविधि में शामिल था।

इसके अलावा, पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उसने अन्य अपराधियों या संदिग्धों की मदद के लिए इसी तरह के सर्टिफिकेट तैयार किए हैं या नहीं। इस मामले में और गिरफ्तारियां संभव हैं।

अब 60 सेकंड में ही ड्रग्स लेने वाले पकड़े जाएंगे

सूरत एंटी-नारकोटिक्स यूनिट के पास 15 लाख का विशेष ड्रग्स डिटेक्शन एनालाइज़र; अब लार की मदद से स्थल पर ही टेस्टिंग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत एंटी-नारकोटिक्स यूनिट ने एक नया ड्रग्स डिटेक्शन एनालाइज़र खरीदा है, जिसकी कीमत 15 लाख रुपये है। इस डिवाइस की मदद से पुलिस अब सिर्फ 60 सेकंड में ही यह पता लगा सकेगी कि किसी व्यक्ति ने ड्रग्स लिया है या नहीं।

यह डिवाइस लार (स्लेवा) के जरिए टेस्ट करेगा और सीधे मौके पर ड्रग्स की मौजूदगी की जांच की जाएगी। इससे पुलिस को ड्रग्स लेने वालों को पकड़ने में तेजी आएगी और सूरत में नशे की तस्करी और सेवन पर काबू पाया जा सकेगा।

सूरत शहर में बढ़ते ड्रग्स के मामलों और युवा पीढ़ी पर पड़ते प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, सूरत पुलिस ने गुजरात का पहला एंटी-नारकोटिक्स यूनिट शुरू किया है। इस यूनिट के पास 15 लाख रुपये की विशेष मशीन है। इस मशीन की खासियत यह है कि यह सिर्फ 60 सेकंड में यह पता लगा सकती है कि किसी ने ड्रग्स लिया है। ड्रग्स लेने वाले और रेव पार्टी आयोजित करने वाले लोगों के लिए यह एक बड़ी चेतावनी है। राज्य का पहला एंटी-नारकोटिक्स यूनिट 15 लाख रुपये की रैपिड ड्रग्स स्क्रीनिंग इंस्ट्रूमेंट से लैस है, जिसे ड्रग्स डिटेक्शन एनालाइज़र (Drugs Detection Analyzer) कहा जाता है।

एंटी-नारकोटिक्स यूनिट के पास एक ड्रग्स डिटेक्शन एनालाइज़र मशीन है, जो एक विदेशी कंपनी द्वारा बनाई गई है। इस मशीन की खासियत यह है कि इसे कहीं भी आसानी से लिया जा सकता है। यह एक प्रकार का मोबाइल रैपिड ड्रग्स स्क्रीनिंग इंस्ट्रूमेंट है, जिसका उपयोग बहुत ही आसान है।

यदि पुलिस को किसी व्यक्ति पर ड्रग्स लेने का संदेह होता है, तो इस मशीन के साथ आने वाली किट में लार लेने का उपकरण है। इस उपकरण का उपयोग कर पुलिस उस व्यक्ति के मुंह से लार का सैंपल लेती है। फिर यह सैंपल मशीन में डाला जाता है और सिर्फ 60 सेकंड में पता चल जाता है कि उस व्यक्ति ने ड्रग्स लिया है या नहीं।

सूरत पुलिस ने 11 महीनों में 9 गैंग्स का नेटवर्क तोड़ा

आसिफ टमेटा, बेंट्टी और मींडी जैसे गिरोहों के 359 सहयोगियों को PASA के तहत गिरफ्तार किया

पुलिस कमिश्नर ने हिस्ट्रीशीटरों को चेतावनी दी-'कानून में रहोगे तो फायदे में रहोगे'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत पुलिस ने पिछले 11 महीनों में अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए आसिफ टमेटा, बेंट्टी और मींडी जैसी खतरनाक गैंग्स का नेटवर्क ध्वस्त कर दिया। इन गैंग्स से जुड़े 359 अपराधियों को पुलिस ने [redacted] (गुजरात पुलिस अधिनियम) के तहत गिरफ्तार किया है।

पुलिस कमिश्नर ने साफ संदेश दिया कि हिस्ट्रीशीटर और अपराधी अगर कानून के दायरे में रहेंगे, तो उनका भला होगा, लेकिन अगर उन्होंने कानून तोड़ा, तो सख्त कार्रवाई होगी।

सूरत पुलिस के इस अभियान का उद्देश्य शहर को अपराध मुक्त बनाना और नागरिकों को सुरक्षित माहौल प्रदान करना है। सूरत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसी कई गैंग्स सक्रिय थीं, जिन्होंने लोगों का जीना मुश्किल बना दिया था। कभी हत्या तो कभी गैंग के बीच गैंगवार होती रहती थी। इन गैंग्स के सदस्यों के खिलाफ पुलिस ने बिना किसी हथियार का इस्तेमाल किए ऐसी प्रभावी कार्रवाई की है कि आज सूरत में हर गैंग का पूरी तरह से सफाया हो चुका है।

पुलिस ने इन अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की और कानून का पालन करते हुए शहर में शांति बहाल की। इसके परिणामस्वरूप, अब सूरत में अपराध की घटनाएं काफी कम हो गई हैं और लोग सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

सूरत में एक समय 9 गैंग्स सक्रिय थीं, जिनके सदस्य शहर में च्ड्डेन्जर पर्सनज्ञ के रूप में जाने जाते थे। इन 9 गैंग्स के 358 सदस्यों के खिलाफ [redacted] (गुजरात पुलिस अधिनियम) के तहत कड़ी कार्रवाई की गई है।

इसके परिणामस्वरूप, आज सूरत में कोई भी गैंग सक्रिय नहीं है और शहर में शांति और सुरक्षा का माहौल है। पुलिस की कड़ी कार्रवाई ने अपराधियों को काबू में किया और अपराध की दर को कम किया है।

सूरत पुलिस ने पिछले 11 महीनों में कई गंभीर अपराधों में शामिल 619 आरोपियों के खिलाफ [redacted] (गुजरात पुलिस अधिनियम) के तहत कार्रवाई की है। इन आरोपियों में महिलाएं और बालिकाओं के साथ दुष्कर्म और छेड़छाड़ करने वाले अपराधी भी शामिल हैं। इसके अलावा, साइबर अपराध करने वाले आरोपियों को भी पासा के तहत जेल भेजा गया है।

सूरत पुलिस ने 500 से अधिक अपराधियों की सूची तैयार की है, जिनका अपराधी इतिहास रहा है। इन लोगों की पहचान करके उन्हें बुलाया गया और चेतावनी दी गई कि यदि उन्होंने आपराधिक गतिविधियों को नहीं छोड़ा, तो उनके खिलाफ गुजरीटोक (गुजरात सिक्योरिटी एक्ट) के तहत गंभीर कार्रवाई की जाएगी।

हाल ही में, सूरत के जोन-4 में इन हिस्ट्रीशीटर्स को बुलाकर पुलिस ने उन्हें अपराध न करने की चेतावनी दी। यह कदम शहर में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई को सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

सूरत पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गेहलोत ने कहा कि सूरत शहर में लगभग 83 लाख लोग रहते हैं, जिनमें से 40 लाख लोग विभिन्न 26 राज्यों से यहां आए हैं। कुछ तत्व शहर के अलग-अलग इलाकों में रहकर लोगों को परेशान करते हैं। ये तत्व समूह बनाकर मारपीट और आपराधिक गतिविधियों में शामिल होते हैं।

इन तत्वों की पहचान करके उन्हें [redacted] (गुजरात पुलिस अधिनियम) के तहत अलग-अलग जेलों में भेजा गया है। पुलिस कमिश्नर ने यह भी बताया कि शहर में शांति बनाए रखने और अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गेहलोत ने बताया कि इन अपराधियों के खिलाफ [redacted] (गुजरात पुलिस अधिनियम) के तहत कार्रवाई के बाद, ये लोग 4 से 6 महीने तक विभिन्न शहरों की जेलों में रहेंगे। इन कदमों के कारण सूरत में शांति बनी रहती है और कानून-व्यवस्था भी स्थिर रहती है।

टपोरी, हिस्ट्रीशीटर, हृष्टक्ररिकॉर्ड रखने वाले और असामाजिक तत्वों की सूची तैयार की गई है, और उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। कमिश्नर ने यह भी कहा कि जो लोग कानून में रहेंगे, वे फायदे में रहेंगे।

सूरत शहर में सक्रिय कुछ प्रमुख गैंग्स और उनके सदस्य जिनके खिलाफ कार्रवाई की गई है, वे हैं:

- आसिफ टमेटा
- लालू जालिम
- असरफ नागोरी
- सज्जु कोठारी
- विपुल गाजीपुरा
- राहुल अपार्टमेंट
- बेंट्टी गैंग
- मींडी गैंग
- सूरज कालिया

इस कठोर नीति के कारण सूरत में बड़े गैंगवार घटनाओं में कमी आई है और गैंगस्टर्स अब जेल में हैं। पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर शहर में शांति बनाए रखी है।

मुख्य आंकड़े:

- 203 बूटलेगर्स
- 20 दुष्कर्म और छेड़छाड़ के आरोपी
- 20 सूदखोर
- 4 साइबर अपराधी
- 20 मनी लेंडिंग
- 7 अनैतिक व्यापार
- 4 साइबर मामले
- 2 जुआरी
- 5 क्रूर व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई

अग्रसेन महिला शाखा एवं युवा शाखा द्वारा "प्रोजेक्ट ज्ञानसेतु" की शुरुआत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा एवं युवा शाखा द्वारा 25 नवंबर 2024, सोमवार को "प्रोजेक्ट ज्ञानसेतु" की शुरुआत की गई। जिसके अंतर्गत एसएमसी शाला क्रमांक 160 और 337 के विद्यार्थियों के लिए रोचक साप्ताहिक गतिविधियां जैसे क्विज, इंडियन मैप, ब्रेन बूस्टर, रूबिकज्ञ कयुब, पीरियड्स एवं हाइजीन अवेयरनेस और योगा आयोजित किया गया। कक्षा तीसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने बहुत ही उत्साह पूर्वक इन गतिविधियों में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में बच्चों को ज्ञानवर्धक गेम्स भी खिलाएं गए। इस कार्यक्रम में अग्रवाल विकास ट्रस्ट अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार, सचिव अनिल अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, महिला अध्यक्षा सोनिया गोयल, सीमा कोकरा, प्रीति गोयल, युवा शाखा पावर गर्लस यशवी अग्रवाल, जयंती पोद्दार, दिशिता गोयल सहित महिला और युवा के अन्य सदस्य उपस्थित रहें।

10 साल से वांछित आरोपी की गिरफ्तारी

25 लाख की लॉटरी लगने का लालच देकर 1.60 लाख रुपये ट्रांसफर कराए, फरार हो गया

अपना गांव छोड़कर खेत में अलग मकान में रहता था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत पुलिस ने 10 साल से फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने 25 लाख रुपये की लॉटरी लगने का झांसा देकर एक व्यक्ति से 1.60 लाख रुपये ट्रांसफर कराए थे और फिर फरार हो गया था। वह अपना गांव छोड़कर खेतों में एक अलग मकान में रह रहा था। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए लंबी छानबीन की और आखिरकार उसकी गिरफ्तारी की। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामले की जांच शुरू की थी और उसे पकड़ने के लिए कोर्ट द्वारा वारंट भी जारी किया गया था। क्राइम ब्रांच की नासता फरार स्क्वाड की टीम ने मध्य प्रदेश में जांच शुरू की थी। जानकारी के आधार पर यह दावा किया गया कि आरोपी अपना गांव छोड़कर खेतों में एक अलग मकान में रह रहा था। क्राइम ब्रांच की टीम ने मिशन को सफलतापूर्वक पूरा कर उसे पकड़ लिया। अपहरण के बाद आरोपी के खिलाफ IPC की धारा 406 (विश्वासघात) और 420 (धोखाधड़ी) के तहत कानूनी कार्रवाई की गई है।